महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

ह्रीं श्री

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 41 | उज्जैन, मंगलवार 21 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

जीवन को झूले की तरह लें कभी आगे कभी पीछे,कभी उतार कभी चढाव,कभी सुख कभी दुख, चाहे जो हो हंसते हंसते झूले का आनंद ले

देश में सर्वश्रेष्ठ बने मध्यप्रदेश पुलिस : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस में 25 हजार पदोन्नतियों के लिए दी बधाई

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हाल ही में राज्य सरकार के पदोन्नति अभियान में पुलिस में सर्वाधिक पदोन्नतियां हुई हैं। इसलिए कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाए रखने, अपराधों पर सख्त नियंत्रण और अधिक परिणाम लाने का कार्य किया जाए। मध्यप्रदेश पुलिस देश में सर्वश्रेष्ठ पुलिस मानी जाए, इसके लिए प्रयासों में कमी नहीं रखना है। नागरिकों में पुलिस के प्रति भरोसा है, इसे कायम रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस में विभिन्न स्तरों के लगभग 25 हजार पदों पर की गई पदोन्नति की कार्यवाही के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी कार्य हो- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा लागू नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी कार्य हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि राजधानी से लेकर जिलों तक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और पुलिस बल आने वाले त्योहारों और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की आवश्यक तैयारी करें। नागरिकों को बेहतर कानून व्यवस्था का लाभ मिले। पुलिस अमला त्योहारों के अवसर पर मुस्तैद रहे।

नक्सलमुक्त क्षेत्रों में विकास में सहभागी बने पुलिस- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद के खात्मे के लिए जिस दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए उपलब्धि प्राप्त की गई, उसमें मध्यप्रदेश के नक्सल क्षेत्र को भी सामान्य बनाने में सफलता मिली है। नक्सलवाद के खत्म होने के पश्चात विकास कार्यों की गति बढ़ानी है और ऐसे इलाकों में पुलिस अमला भी सकारात्मक कार्यों से जुड़कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निभा सकता है।

नशा मुक्ति अभियान का निरंतर क्रियान्वयन करे- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में नशामुक्ति अभियान का निरंतर क्रियान्वयन होता रहे। हाल ही में अभियान के अंतर्गत नशे से दूरी है जरूरी स्लोगन को लोकप्रियता मिली है और नागरिकों ने नशामुक्ति की शपथ ली है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्धारित नशामुक्ति अभियान के लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जाए। नक्सलवाद से मुक्ति की तरह नशा मुक्ति के लिए तय समय-सीमा के पहले ही मध्यप्रदेश अच्छा कार्य करके दिखाए। इस क्रम में पुलिस विभाग, उच्च शिक्षा विभाग से समन्वय कर शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता बढ़ाने में सहयोगी बनें। श्रेष्ठ कार्य के लिए नशामुक्ति अभियान में योगदान देने वालों को पुरस्कृत भी करें। अन्य राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन पर नियंत्रण किया जाए।

उद्योग क्षेत्र और अन्य संस्थानों को उपलब्ध करवाएं सुरक्षा स्टाफ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों का विस्तार हो रहा है, इस नाते आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी जरूरी हो गई है। विभिन्न संस्थानों और उद्योग क्षेत्र के लिए एसआईएसएफ से लाइसेंसधारी सुरक्षा स्टाफ प्रदान करवाने का कार्य हो। भविष्य की दृष्टि से विकास के क्षेत्रों और सामाजिक स्तर पर उत्पन्न होने वाली चुनौतियों की भी तैयारी रखें। वरिष्ठ अधिकारी हर समस्या के समाधान के प्रयास करें।

प्रमोशन और नियुक्ति का अभियान जारी रहे- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस के लिए आवश्यक पदों की स्वीकृति दी गई है। राज्य शासन प्रदेश में नागरिकों के लिए शांति व्यवस्था और सदभाव के वातावरण को बनाए रखने के लिए पुलिस बल में पर्याप्त वृद्धि के निरंतर प्रयास कर रहा है। इस सिलसिले में लगभग 25 हजार पदोन्नतियां हाल ही में विशेष अभियान के अंतर्गत विभिन्न पदों पर की गई हैं। आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक और निरीक्षक के पदों पर बरसों से पदोन्नतियां नहीं हुई थीं। अन्य विभागों के साथ पुलिस विभाग में पदोन्नतियों का लाभ आमजन को बेहतर सेवाओं के रूप में मिलेगा। आगे भी पद रिक्त होने की स्थिति में डीपीसी कर प्रक्रिया पूर्ण की जाए। इसके लिए कैलेंडर तैयार किया जाए। पद पूर्ति के लिए बैकलॉग समाप्त किया जाए। स्वीकृत पद भरने में विलंब नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी तरह पुलिस में प्रत्येक स्तर पर रिक्त पदों की पूर्ति का कार्य बिना विलंब किया जाए। प्रदेश की तीन विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, सहरिया, भारिया की नियुक्तियों पर ध्यान दें। इन जनजातियों के रहवास के छह जिलों में योग्य युवाओं को पुलिस सहित विभिन्न सेवाओं में रुचि के अनुरूप भर्ती पर भी विचार किया जाए।

न्यूज ब्रीफ

रामनगरी में अत्याधुनिक फॉरेंसिक साइंस लैब बनकर तैयार, अपराध जांच को मिलेगी नई रफ्तार

अयोध्या/ जीएनएस। आधुनिक अपराध अन्वेषण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। रामनगरी में 48.88 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'बी' श्रेणी की विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फॉरेंसिक साइंस लैब) का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। यह लैब बाग बिजेसी में स्थित है। यह हाईटेक लैब अब डीएनए परीक्षण, साइबर फॉरेंसिक, बैलिस्टिक जांच और अन्य वैज्ञानिक तकनीकों से लैस होकर अयोध्या सहित आसपास के जिलों में अपराध जांच को नई रफ्तार देगी। गृह (पुलिस) विभाग के फंडिंग से चल रही इस योजना की स्वीकृत लागत 48.88 करोड़ है। कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग ने सात नवंबर 2023 को निर्माण शुरू किया था। विधि विज्ञान प्रयोगशाला के चार मंजिला भवन का कुल क्षेत्रफल 10,266.40 वर्ग मीटर है। इसमें डोरमेट्री, गेस्ट हाउस, गैरेज, ड्राइवर्स रूम, वर्कशाप भवन, गार्ड रूम इत्यादि भी रहेंगे। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता उमेश चंद्र ने बताया कि फिनिशिंग का कार्य पूरा हो चुका है। अब हैंडओवर की प्रक्रिया चल रही है। यह परियोजना न केवल अयोध्या की बुनियादी ढांचागत विकास को मजबूत कर रही है, बल्कि पूरे प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस की क्षमता विस्तार का प्रतीक भी है। शीघ्र ही पूर्ण रूप से चालू होने वाली इस अत्याधुनिक विधि विज्ञान प्रयोगशाला से अपराध मुक्त और सुरक्षित अयोध्या का सपना और मजबूत होगा। नई प्रयोगशाला में अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त लैबोरेटरी, डीएनए एनालिसिस यूनिट, साइबर फॉरेंसिक सेंटर, बैलिस्टिक जांच सुविधा, टॉक्सिकोलॉजी और केमिकल परीक्षण कक्ष शामिल हैं। यह लैब अपराध स्थल से प्राप्त साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच को सटीक और तेज बनाएगी, जिससे अदालतों में सबूतों की विश्वसनीयता बढ़ेगी और दोषियों पर शिकंजा कसना आसान होगा। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी इस लैब के पूर्णरूप से शुरू होने के बाद अपराध दर को नियंत्रित करने और वैज्ञानिक जांच के आधार पर केसों को सुलझाने में नई सफलताएं हासिल करने की उम्मीद जता रहे हैं।

ममता को कोर्ट ने राहत नहीं, फ्रीज ही रहेंगे 440 करोड़ वाले TMC के तीन बैंक खाते

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में चुनावी शिकस्त और आंतरिक गुटबाजी से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने ईडी द्वारा पार्टी के तीन मुख्य बैंक खातों को फ्रीज करने के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। इन खातों में 440 करोड़ रुपये की मोटी राशि जमा है, जिसका उपयोग अब पार्टी अपने संगठनात्मक या राजनीतिक खर्चों के लिए नहीं कर पाएगी। न्यायमूर्ति कृष्णा राव की पीठ ने तृणमूल के ममता बनर्जी खेमे की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें दैनिक संचालन के लिए इन खातों के इस्तेमाल की अंतरिम अनुमति मांगी गई थी। यह मामला धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वित्तीय अनियमितताओं, गैर-कानूनी तरीके से धन जुटाने और संदिग्ध फंड की हेराफेरी से जुड़ा है। मामले पर 13 जुलाई को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसले को न्यायाधीश ने सुरक्षित रख लिया था। सोमवार को उन्होंने फैसला सुनाया जिसमें तृणमूल के ममता खेमे को राहत नहीं मिली। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि अप्रैल 2023 से जून 2026 के बीच तृणमूल के खातों से लगभग 160 करोड़ रुपये केयरवेल एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहयोगी कंपनियों को भेजे गए। इसके बाद, केयरवेल एविएशन ने करीब 83 करोड़ रुपये एक अन्य नई इकाई में ट्रांसफर किए। इस संदिग्ध रकम में से 112 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एक लग्जरी एम्ब्रेयर लीगेसी 600 कमर्शियल विमान और एक अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकाप्टर खरीदने के लिए किया गया।

सिक्किम विधानसभा में पेश हुआ 19215 करोड़ का बजट, राज्यपाल बोले- 2047 तक विकसित राज्य बनाने का रोडमैप

नई दिल्ली/ जीएनएस। राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के अभिभाषण के साथ सिक्किम विधानसभा का चार दिवसीय बजट सत्र सोमवार को शुरू हुआ। पहले दिन मुख्यमंत्री एवं वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री प्रेम सिंह तामांग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 19,215 करोड़ रुपये का आम बजट पेश किया। साथ ही सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा और उच्च शिक्षा क्षेत्र से जुड़े तीन महत्वपूर्ण विधेयक भी सदन में पेश किए जिन पर मंगलवार और बुधवार को चर्चा होगी। बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वित्तीय अनुशासन, सतत विकास और जनकल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, समावेशी विकास को गति देना तथा विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। बजट में कुल 19,215 करोड़ रुपये के सकल व्यय का प्रावधान किया गया है। 760 करोड़ रुपये की वसूली समायोजित करने के बाद शुद्ध व्यय 18,455 करोड़ रुपये रहेगा। सरकार ने 2,275 करोड़ रुपये कर राजस्व, 1,124 करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व, केंद्र के करों में 5,113 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी, 3,867 करोड़ रुपये केंद्रीय अनुदान, 2,765 करोड़ रुपये की उधारी तथा पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत 3,312 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान लगाया है।

बजट में 11,733 करोड़ रुपये राजस्व व्यय, 5,896 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय तथा ऋण एवं अग्रिम के लिए 826 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए 2,460 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

वीजा और पासपोर्ट सेवाओं पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश, नई टेंडर प्रक्रिया तक सेवा रहेगी जारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी जिसमें अबू धाबी, कुवैत, सिंगापुर और कैनबरा में भारतीय मिशनों में कॉन्सुलर, पासपोर्ट और वीजा सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए टेंडर प्रक्रिया रद कर दी गई थी।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने विदेश मंत्रालय और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को नई टेंडर प्रक्रिया पूरी होने तक सेवाओं की बिना रुकावट डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी व्यवस्था करने की अनुमति दी।

रोजाना के काम में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए- कोर्ट- CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने कहा कि पार्टियों के वकीलों को सुनने और हमारे सामने रखी गई बातों पर ध्यान देने के बाद, हमारा मानना है कि नए टेंडर प्रोसेस के पूरा होने तक संबंधित जगहों में रोजाना के काम में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। सर्विस जारी रखने और हाई कोर्ट के दिए गए निर्देशों का पालन करने के लिए, शीर्ष अदालत ने विवादित आदेश में बदलाव किया।

सर्विसेज को जारी रखने के लिए सही अंतरिम इंतजाम करने की छूट- कोर्ट- EIL और MEA को इन सर्विसेज को जारी रखने के लिए सही अंतरिम इंतजाम करने की छूट होगी। ऐसे अंतरिम इंतजाम में उन सफल L-1 बिडर्स को शामिल किया जा सकता है जिनका परफॉर्मेंस ठीक पाया गया हो, या किसी दूसरी एजेंसी को, इस तरह से जिसे EIL और MEA सही समझें।

संसद मार्च बना बवाल! बैरिकेड टूटे, लाठीचार्ज- आंसू गैस के बीच 9 घंटे तक थमी रही दिल्ली

नई दिल्ली/ जीएनएस। कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर करीब एक महीने से जंतर-मंतर पर चल रहा शांतिपूर्ण प्रदर्शन सोमवार को संसद मार्च के बहाने उग्र हो गया। सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने शांतिपूर्ण संसद मार्च का आह्वान किया था लेकिन सोमवार को पुलिस की तैयारियों के दावों के बीच प्रदर्शनकारी सुरक्षा के कई घेरों को तोड़ते हुए संसद भवन तक पहुंच ही गए। इस दौरान करीब नौ घंटे तक नई दिल्ली लगभग बंधक सी रही।

भगदड़ में 15 से अधिक पुलिसकर्मी घायल- कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच घंटों जमकर झड़पें होती रहीं। संसद मार्ग, जनपथ और रायसीना मार्ग पर प्रदर्शनकारियों ने करीब 25 सरकारी व अन्य लोगों के निजी वाहनों को तोड़कर पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया। स्थिति से निपटने के लिए पुलिस को बार-बार लाठी चार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। भगदड़ में 15 से अधिक पुलिसकर्मी और कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इस घटना ने साल 2012 में निर्भया कांड और 2020 के किसानों के प्रदर्शन को याद दिला दिया। करीब एक लाख से अधिक की संख्या में पहुंचे प्रदर्शनकारी उत्पात पर उतर आए। भीड़ के सामने दिल्ली पुलिस और अर्द्ध सैनिक बल पूरी तरह से असहाय नजर आई। प्रदर्शनकारियों के उत्पात से सिर्फ लुटियंस दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरी दिल्ली प्रभावित हो गई।

पुलिस ने नई दिल्ली और सेंट्रल दिल्ली में प्रवेश रोकने के लिए यहां आने वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग कर दी। इससे विकास मार्ग, एनएच 44 और एनएच-9 के अलावा दक्षिणी दिल्ली से आने वाले प्रमुख मार्गों पर जाम लग गया। कार्यालय पहुंचने के समय होने के कारण नौकरीपेशा लोग इससे काफी परेशान दिखे।

सोनम वांगचुक का अनशन जारी, 23वें दिन भी नहीं तोड़ा संकल्प; अस्पताल से भेजा हाथ से लिखा पत्र

नई दिल्ली/ जीएनएस। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने सफदरजंग अस्पताल में अनशन के 23वें दिन भी अपना भूख हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। उन्होंने हाथ से लिखे नोट में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं के साथ हो रही बर्बरता देखकर उन्होंने यह फैसला लिया है। वांगचुक ने लिखा, युवा नेताओं को संसद भवन में संसद सदस्यों से मिलने की अनुमति दिए जाने या मुझे अस्पताल में उनसे मिलने की इजाजत दिए जाने तक मैं अपना अनशन जारी रखूंगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि उससे पहले सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी। कार्यकर्ता की शांति बनाए रखने की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, मैं इस बात से बहुत प्रभावित और भावुक हूं कि युवा उकसावे के बावजूद शांति बनाए हुए हैं। उन्होंने सरकार और पुलिस बल से अपील की कि मुद्दे का समाधान आज या कल ही कर लिया जाए और छात्रों को संसद के समक्ष अपनी शिकायतें रखने की अनुमति दी जाए।

सम्राट सरकार का फैसलाः बिहार में बनेगा नगर विकास प्राधिकरण, नए शहरों और टाउनशिप पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली/ जीएनएस। बिहार सरकार राज्य में आधुनिक और सुनियोजित शहर बसाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप और नए शहरी क्षेत्रों के विकास को तेज करने के लिए सरकार बिहार नगर विकास प्राधिकरण का गठन करेगी।

यह प्राधिकरण शहरों की योजना बनाने से लेकर उनके विकास, निगरानी और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तक की जिम्मेदारी संभालेगा।

सरकार का मानना है कि इससे नए आर्थिक गतिविधि केंद्र विकसित होंगे, निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। सोमवार को विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सदन में इस कानून की प्रतियां वितरित की गई।बनाया जाने वाला यह प्राधिकरण एक वैधानिक निकाय होगा। इसे संपत्ति खरीदने, रखने, उसका प्रबंधन करने, अनुबंध करने का अधिकार होगा।

शहरों के विकास से जुड़े बड़े फैसले इसी संस्था के माध्यम से लिए जाएंगे। प्राधिकरण भविष्य में विकसित किए जाने वाले विशेष क्षेत्रों की पहचान करेगा और उनके लिए विस्तृत विकास योजना तैयार करेगा। इसके साथ ही सड़क, पेयजल, सीवर, जल निकासी, ठोस कचरा प्रबंधन, बिजली, डिजिटल सुविधाएं, सार्वजनिक परिवहन, स्कूल, अस्पताल और अन्य सार्वजनिक ढांचे के निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी भी इसी के पास होगी।

तो जारी रहेगा आंदोलन, क्या हैं CJP की 3 मांगे

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ आंदोलन और संसद मार्च के बीच सोमवार को सरकार के साथ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की पहली औपचारिक बातचीत हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंदोलनकारी संगठन के प्रतिनिधियों सौरव दास और आशुतोष रांका से अपने आवास पर मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई जब बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर से संसद की ओर जाने पर उतारू थे, लेकिन पुलिस उन्हें संसद मार्ग पर रोकने की कोशिश कर रही थी।

नड्डा से प्रदर्शनकारियों की 10 मिनट की मुलाकात - नड्डा के जरिए सरकार की ओर से बातचीत शुरू होना अहम माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार सरकार ने आंदोलनकारियों से सीधे संवाद की पहल की है। हालांकि सीजेपी ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सरकार की ओर से नड्डा को सीजेपी के साथ बात करने को कहा गया था। सुबह 11.50 पर शुरू हुई बैठक करीब दस मिनट चली। बताया जाता है कि नड्डा ने उनसे कहा कि आप अपनी मांगे लिखित रूप में दें।

सूत्रों के अनुसार सीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने वहीं दूसरे कमरे में जाकर पूरे विचार विमर्श के ज्ञापन तैयार किया और शाम को फिर से नड्डा के साथ मुलाकात में उन्होंने वह ज्ञापन सौंपा।

4 बजे तक दिया लिखित ज्ञापन - नड्डा ने खुद भी शाम तीन बजे पोस्ट कर जानकारी दी और कहा- आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से बातचीत का प्रस्ताव आया था और सुबह 11.50 से हमारी बातचीत जारी है। उनकी ओर से लगभग 4 बजे मुझे लिखित ज्ञापन दिया गया।

यह पोस्ट इस लिहाज से विशेष था क्योंकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से बातचीत का संदेश भेजा गया था और सरकार तत्काल तैयार हो गई।

बाद जिसके बाद सीजेपी नेताओं ने कहा कि उन्होंने अपनी मांगों का लिखित ज्ञापन नड्डा को सौंपा है। उन्होंने दावा किया कि नड्डा ने भरोसा दिया कि वह इन मांगों पर सरकार के भीतर चर्चा करेंगे।

इसके लिए उन्होंने कुछ मोहलत भी मांगी है। सूत्रों के अनुसार सरकार भी आंदोलन को लेकर अंदरूनी स्तर पर विचार-विमर्श कर रही है और आगे कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने आ सकती है।

क्या हैं ष्टछ्वक्क की तीन प्रमुख मांगे?- सीजेपी ने सरकार से तीन प्रमुख मांगें रखीं हैं। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा करने, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने और नीट पेपर लीक के साथ प्रतियोगी परीक्षा विवादों से जुड़े उन सभी छात्रों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए, जिन्होंने आत्महत्या की है।

नशे के खिलाफ इंदौर ने रचा इतिहास, 8,534 लोगों की मानव श्रृंखला से बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत शहर ने नशामुक्त समाज का संदेश देते हुए नया इतिहास रच दिया। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित भव्य जनजागरूकता कार्यक्रम में 8,534 विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों, नगर सुरक्षा समिति, पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने एक साथ मानव श्रृंखला बनाकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इस उपलब्धि के साथ इंदौर पुलिस ने अपना ही पूर्व रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले 7,100 लोगों की मानव श्रृंखला का रिकॉर्ड इंदौर के नाम था।

कार्यक्रम में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों ने पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह को रिकॉर्ड प्रमाण-पत्र प्रदान किया। आयोजन की एक और विशेष उपलब्धि यह रही कि एक साथ 8,534 से अधिक लोगों को नशे के विरुद्ध प्रेरक संबोधन देकर जागरूक करने के आधार पर भी एक नए विश्व रिकॉर्ड के लिए दावा प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार एक ही आयोजन में दो विश्व रिकॉर्ड दर्ज कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त इंदौर और नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ भी ली।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी, सभी पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी, पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज एवं आरएपीटीसी के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थी, खिलाड़ी, प्रशिक्षु चिकित्सक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

इंदौर पुलिस का नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान लगातार स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैला रहा है। यह ऐतिहासिक आयोजन अभियान की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल हो गया है, जिसने यह साबित कर दिया कि जब समाज और पुलिस एक साथ खड़े होते हैं, तो बदलाव के साथ इतिहास भी रचा जा सकता है।

इंदौर में कचरे के साथ फेंक दिया 2 किलो वजनी चांदी का कलश, निगमकर्मियों ने ट्रेंचिंग ग्राउंड से खोजकर लौटाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कचरे के ढेर में फेंके गए फटे-पुराने झोले में पुश्तैनी चांदी का कलश रखा था। परिवार को जब इसका पता चला तो देर हो चुकी थी। कलश कचरा वाहन के साथ ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंच चुका था। इसके बाद परिवार ने पार्षद से मदद मांगी और निगमकर्मियों ने करीब 24 घंटे तक तलाश कर दो किलो वजनी चांदी का कलश ढूंढ निकाला। कलश मिलने के बाद रावेरकर परिवार ने राहत की सांस ली। रविवार को रहवासियों ने निगमकर्मियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित कर उनका स्वागत किया।

सुबह फेंका कचरा शाम को आया होश- शुक्रवार सुबह राजेंद्र नगर के रावेरकर परिवार ने रोज की तरह घर का कचरा निगम के कचरा वाहन में डाल दिया। इस कचरे में वह फटा-पुराना झोला भी था, जो वर्षों से यूं ही पड़ा हुआ था। घरवालों को इसका अंदाजा नहीं था कि इस झोले में उनका दशकों पुराना करीब दो किलो वजनी चांदी का कलश रखा हुआ है। देर शाम परिवार को ध्यान आया कि सुबह कचरा वाहन को दिए कचरे में उनका पुश्तैनी चांदी का कलश भी चला गया है। फिर क्या था, हड़कंप मच गया। घरवाले तुरंत वार्ड 80 के पार्षद प्रशांत बड़वे के घर पहुंचे और उन्हें रुंधे गले से पूरी बात बताई। इसके बाद कलश की तलाश शुरू हुई। रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे निगमकर्मियों ने ट्रेंचिंग ग्राउंड में कलश तलाश लिया।

कचरा पहुंच गया था प्लांट- पार्षद बड़वे ने बताया कि शुक्रवार रात राजेंद्र नगर स्थित उनके घर के पास रहने वाले रावेरकर परिवार के लोग उनके पास पहुंचे और बताया कि सुबह कचरा वाहन के साथ उनका चांदी का कलश भी चला गया है। इस पर उन्होंने तुरंत वाहन चालक को फोन लगाया। उसने बताया कि वह तो सुबह ही गाड़ी लालबाग स्थित जीटीएस में खाली कर चला गया था। जीटीएस प्रभारी से बात हुई तो उसने बताया कि कचरा वहां से ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित प्लांट भेजा जा चुका है।

रहवासियों ने किया निगमकर्मियों का सम्मान- ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित नेप्रा के प्लांट प्रभारी धीरज व्यास ने बताया कि शुक्रवार दिनभर आए सूखे कचरे की छंटाई हो गई है और इसे शनिवार सुबह मशीन में दबाया जाएगा। सूचना मिलने पर शनिवार सुबह करीब सात बजे से कलश की तलाश फिर शुरू हुई।

एसीपी प्रदर्शन रैंकिंग जारी, हीरा नगर अनुभाग प्रथम, खजराना सबसे अंतिम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जून माह के लिए सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के कार्यों की मासिक मूल्यांकन रैंकिंग जारी कर दी है। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शुरू की गई मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली के तहत विभिन्न मापदंडों पर सभी 12 एसीपी अनुभागों के कार्यों का आकलन किया गया। इसका उद्देश्य पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बनाना है।

जून माह के कार्यों की समीक्षा के बाद जारी रैंकिंग में ज़ोन-03 के एसीपी हीरा नगर ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं ज़ोन-04 के एसीपी अन्नपूर्णा दूसरे और ज़ोन-04 के एसीपी जूनी इंदौर तीसरे स्थान पर रहे।

वहीं निर्धारित मापदंडों पर सबसे कमजोर प्रदर्शन करने के कारण ज़ोन-02 के एसीपी खजराना अंतिम स्थान पर रहे।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि इस मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से पुलिस अधिकारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा कर बेहतर प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन वाले अधिकारियों को कार्य में सुधार के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य शहर में अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

कुपोषण मुक्त इंदौर के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर

लापरवाही पाये जाने पर दो परियोजना अधिकारियों को शोकॉज नोटिस, आंगनवाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन पर रहेगा विशेष ध्यान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिले में कुपोषण की रोकथाम एवं सुपोषण को बढ़ावा देने के संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की आज समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में राज्य शासन द्वारा संचालित सभी पोषण संबंधी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी एवं परिणाममूलक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा कुपोषण का शिकार न रहे।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिंह सहित सहायक संचालक, परियोजना अधिकारी तथा ब्लॉक कॉर्डिनेटर उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों से कहा कि यदि कहीं भी कुपोषित बच्चे चिन्हित होते हैं तो उनके लिए तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। ऐसे बच्चों को आवश्यक पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके पोषण स्तर में शीघ्र सुधार लाने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। कलेक्टर श्री वर्मा ने बैठक में कुपोषण की रोकथाम, आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रदाय किए जा रहे नाश्ता एवं भोजन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा आधार आईडी सत्यापन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कुपोषण उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक गंभीर कुपोषित (एसएएम) बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर की नियमित निगरानी की जाए तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देकर जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए प्रभावी कार्य किया जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले नाश्ता एवं भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पौष्टिकता सुनिश्चित की जाए। किचन शेड की नियमित साफ-सफाई रखी जाए तथा मातृ सहयोगिनी समितियों को सक्रिय कर उनके माध्यम से भोजन की गुणवत्ता की सतत निगरानी कराई जाए।

नशे के खिलाफ रचनात्मक जंग, इंदौर पुलिस कराएगी पेंटिंग, कविता और स्लोगन प्रतियोगिताएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत युवाओं और विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 21 जुलाई 2026 को अभय प्रशाल, जंजीरवाला चौराहा स्थित परिसर में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य कला, साहित्य और अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज में नशे के खिलाफ सकारात्मक संदेश पहुंचाना है। प्रतियोगिता में पेंटिंग, रंगोली, स्लोगन लेखन, कविता एवं निबंध लेखन के साथ-साथ 10 मिनट की ओपन माइक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सभी प्रतियोगिताओं की थीम नशे को कहें ना एवं नशामुक्त समाज रखी गई है, ताकि प्रतिभागी अपनी रचनात्मकता के जरिए नशे के दुष्परिणामों और उसके समाधान पर प्रभावी संदेश प्रस्तुत कर सकें। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा, जबकि प्रतिभागियों को सुबह 9ः30 बजे रिपोर्टिंग करनी होगी। प्रतियोगिता के लिए आवश्यक सामग्री फर्स्ट कम, फर्स्ट सर्व के आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके अलावा शीर्ष 10 प्रतिभागियों को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा तथा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र भी दिया जाएगा। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने शहर के स्कूलों, कॉलेजों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। इच्छुक प्रतिभागी कार्यक्रम के पोस्टर पर दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं।

अंधे कत्ल का खुलासाः नशे की लत और पैसों के विवाद में भतीजे ने ताऊ की कर दी हत्या

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में राजनगर में हुए अंधे कत्ल का पुलिस ने चंद घंटों में पर्दाफाश करते हुए मृतक के भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने नशे की लत पूरी करने के लिए पैसों की मांग की थी। रुपये नहीं मिलने और पारिवारिक मनमुटाव के चलते उसने अपने सगे ताऊ की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए घटनास्थल पर झूठे सबूत भी तैयार किए। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी तिलक कारोले के नेतृत्व में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्य जुटाए और परिवार सहित आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान मृतक कमल कुमावत के 19 वर्षीय भतीजे चेतन कुमावत से पूछताछ की गई। उसके जवाबों में विरोधाभास मिलने पर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि पहले संयुक्त परिवार में रहने के दौरान उसके ताऊ का व्यवहार अच्छा था और वे उसकी आर्थिक मदद भी करते थे, लेकिन बंटवारे के बाद संबंध बिगड़ गए। वह ब्राउन शुगर का आदी है और नशे के लिए उसने ताऊ से पैसे मांगे थे। पैसे नहीं मिलने पर उसने देर रात रसोई से चाकू उठाकर सो रहे ताऊ पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने अलमारी से पैसे तलाशने की कोशिश की, लेकिन रुपये नहीं मिलने पर गहनों को वहीं छोड़ दिया ताकि वारदात लूट जैसी न लगे। पुलिस को भ्रमित करने के लिए उसने खून से सने हाथों के निशान दीवार पर लगाए, पड़ोसी के घर की ओर जाने वाले रास्ते का आभास कराया और खून से सने कपड़े रोशनदान से घर के पीछे फेंक दिए। इसके बाद हाथ-पैर धोकर अपने कमरे में सो गया और सुबह सामान्य दिनचर्या की तरह काम पर चला गया। बाद में घर लौटकर उसने शोर मचाते हुए परिवार और पड़ोसियों को एकत्र किया तथा घायल ताऊ को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी चेतन कुमावत को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू, खून से सने कपड़े और अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

एमपी में मानसून फिर देगा खुशखबरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगभग 10 दिन के लंबे अंतराल के बाद रविवार को बारिश दर्ज की गई। इससे पहले 8 जुलाई को इंदौर में 17.8 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। इसके बाद रविवार को 0.6 मिमी बारिश हुई।

अमृत 2.0 परियोजना का आयुक्त ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता और तय समय में कार्य पूरे करने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने सोमवार को अमृत 2.0 परियोजना के अंतर्गत शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन सीवर लाइन और 40 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का भी जायजा लिया।

इससे पहले आयुक्त ने ग्राम बुडानिया स्थित बीएसएफ कैंपस में 12 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में किए गए पौधारोपण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पौधों की वर्तमान स्थिति, सिंचाई व्यवस्था और रखरखाव की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जनकार्य प्रभारी श्री राजेंद्र राठौर, उद्यान अधिकारी श्री शांतिलाल यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अमृत 2.0 परियोजना के तहत आयुक्त ने पैकेज-2 अंतर्गत नंद बाग कॉलोनी, टिगरिया बादशाह, स्कीम नंबर-166 और बड़ा बांगड़दा क्षेत्र में निर्माणाधीन सीवर लाइन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा करते हुए निर्माण एजेंसियों को किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी।

आयुक्त श्री सिंघल ने कहा कि अमृत 2.0 परियोजना शहरवासियों को आधुनिक और बेहतर सीवरेज सुविधाएं उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना है। इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने और निर्माण कार्यों के दौरान आम नागरिकों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान स्कीम नंबर-166, टिगरिया बादशाह में निर्माणाधीन 40 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया गया। आयुक्त ने प्लांट की निर्माण प्रगति और तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर कार्य में तेजी लाने तथा सभी गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मेट्रो की टीम ने मापा कंपन, मानक से कम मिली तीव्रता, स्टेशन निर्माण के दौरान रहवासियों ने किया था विरोध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छोटा गणपति मेट्रो स्टेशन निर्माण के कारण महंत कॉम्प्लेक्स के रहवासियों के विरोध के बाद शनिवार को मेट्रो प्रबंधन टीम ने इस इमारत पर कंपन मापा। मेट्रो के अधिकारी कॉम्प्लेक्स की छत पर सुबह आठ पहुंचे और रहवासियों को भी बुलाया गया।

छत पर सेंसर लगाया गया और उसी दौरान मेट्रो प्रोजेक्ट की पाइलिंग मशीन से काम शुरु करवाया गया। इस दौरान कॉम्प्लेक्स छत पर रखी गई मशीन में 0.1 से 0.5 मिलीग्राम प्रति सेकेंड तीव्रता दर्ज की गई। मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के मुताबिक निर्माण कार्य के दौरान कंपन की अधिकतम तीव्रता 5.0 मिलीग्राम प्रति सेकेंड निर्धारित है। इस वजह से यहां की इमारत में कंपन तीव्रता से कम ही मिला है। मेट्रो प्रबंधन द्वारा अब महंत कांप्लेक्स में एक कमरा किराए पर लेकर उसमें ध्वनि व कंपन की तीव्रता नापने वाले उपकरण लगाएगा। इसके माध्यम से निर्माण कार्य के दौरान कंपन व इमारत पर पड़ने वाले प्रभाव को नापा जाएगा। इस कक्ष में मेट्रो प्रबंधन अपना एक साइट आफिस भी बनाएगा। जिसमें मेट्रो की टीम काम करेगी। रहवासी बोले कंपन मानक में, लेकिन ध्वनि की तीव्रता है परेशानी का कारण- शनिवार को मेट्रो के अधिकारियों के साथ रहवासियों ने भी महंत कांप्लेक्स पर मशीन से कंपन की तीव्रता आंकलन को देखा। रहवासी हिमांशु शास्त्री ने बताया कि उन्होंने भी प्रत्यक्ष रुप से अन्य रहवासियों व अधिकारियों के साथ उपस्थित होकर वाइब्रेशन की जांच का निरीक्षण किया।

संभाग के 8 जिलों में धरती आबा योजना में 292 करोड़ के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति कार्य प्रारंभ

इवेंट मैनेजमेंट,रियल स्टेट एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सहित उच्च शिक्षा विभाग ने सीधे रोजगार से जुड़े 12 नए स्नातक पाठ्यक्रम किए प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभागायुक्त डॉ.सुदाम खाड़े ने संभागायुक्त कार्यालय में शिक्षा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विभागों के साथ समीक्षा की। इसमें उन्होंने स्कूल शिक्षा सहित जनजाति कार्य, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा सहित श्रम विभाग अंतर्गत संचालित आवासीय शिक्षा के संबंध में नवीन शिक्षा सत्र में पंजीकृत विद्यार्थियों सहित उन्हें सायकिल वितरण के अलावा इससे जुड़े अहम बिंदुओं पर समीक्षा की। बैठक में संयुक्त आयुक्त (विकास) श्रीमती शिवानी वर्मा, जनजाति कार्य विभाग उपायुक्त श्री गणेश भाभर, कौशल विकास विभाग संयुक्त संचालक श्री निखिल सिंघल, उच्च शिक्षा विभाग अपर संचालक डॉ. किरणबाला सलूजा सहित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजाति कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि धरती आबा योजनांतर्गत शिक्षा सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति हुई है। शासन द्वारा संभाग के 8 जिलों में जनजाति जनपदों में 292 करोड़ के विकास कार्य स्वीकृत किए है। इसमें 32 कार्य पूर्ण किए गए है। जबकि शेष कार्य प्रगतिरत के साथ ही कार्य आदेश जारी करने, निविदापूर्ण व निविदाएं आमंत्रित करने की स्थिति में है। सबसे अधिक 70 कार्य धार जिले में स्वीकृत होकर 14 कार्य पूर्ण हो चुके है।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा 12 नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने है जो सीधे रोजगार से जुड़े है। संभागायुक्त डॉ.खाड़े ने निर्देश दिए है कि इन नवीन पाठ्यक्रमों की निरंतर निगरानी करते हुए बेहतर गेस्ट फैकल्टी को आमंत्रित करते हुए विजिट एक्सपोजर के लिए भी ले जाने की रूपरेखा बनाए। इन 12 पाठ्यक्रमों में बी.कॉम इन रिटेल ऑपरेशन व लॉजिस्टिक, एचआर ऑपरेशन, इवेंट मैनेजमेंट, डिजिटल मार्केटिंग एंड एडवरटाइजिंग, रियल स्टेट एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट और बी.एससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी शामिल है।

केंद्रीय मंत्री खट्टर के सामने महापौर ने रखा इंदौर का विकास रोडमैप, सड़क परियोजनाओं से लेकर 74वें संविधान संशोधन तक उठाए अहम मुद्दे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के दौरान परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष एवं इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर इंदौर सहित देश के नगरीय निकायों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से पारित प्रस्तावों का आधिकारिक पत्र सौंपते हुए उन पर शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया। चर्चा के दौरान इंदौर के विकास, नगरीय निकायों की वित्तीय मजबूती, 74वें संविधान संशोधन के प्रभावी क्रियान्वयन, जन शहरी आजीविका कार्यक्रम और स्वच्छता मॉडल जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

महापौर श्री भार्गव ने स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट (ह्रस्ष्टद्बु) 2025-26 योजना के तहत इंदौर की सड़कों और अन्य आधारभूत अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तीय सहायता की मांग रखी। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं, जिनके समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार से शीघ्र स्वीकृति आवश्यक है। साथ ही अर्बन चैलेंज फंड के तहत भेजे गए प्रस्तावों को भी जल्द मंजूरी देने का अनुरोध किया।

स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए महापौर ने %स्वच्छता जोड़ी% अभियान और देपालपुर के सफल स्वच्छता मॉडल की विस्तृत बुकलेट केंद्रीय मंत्री को भेंट की। इसमें कचरा प्रबंधन, जनभागीदारी और स्थानीय स्तर पर किए गए नवाचारों का उल्लेख है, ताकि अन्य शहर भी इस मॉडल को अपनाकर अपनी स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें।

महापौर ने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (ह्रस्रू) के स्थान पर %जन शहरी आजीविका कार्यक्रम% को देशभर के सभी नगरीय निकायों में लागू करने का सुझाव भी दिया। उनका कहना था कि इससे शहरी गरीबों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास के अधिक अवसर मिलेंगे तथा शहरी अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

बैठक में ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा पारित विभिन्न प्रस्तावों की जानकारी भी केंद्रीय मंत्री को दी गई और उन पर शीघ्र नीतिगत निर्णय लेने का अनुरोध किया गया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 74वें संविधान संशोधन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी नगरीय निकायों से ठोस और व्यवहारिक सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाने के लिए नगरीय निकायों का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। इसके लिए राजस्व के नए स्रोत विकसित करने, नवाचार आधारित मॉडल अपनाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक को देश में शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय मजबूती और शहरी विकास की नई दिशा तय करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं इंदौर की ओर से सड़क विकास, विशेष सहायता निधि, स्वच्छता मॉडल और जन शहरी आजीविका कार्यक्रम जैसे प्रस्तावों को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मल्हारगढ़ थाने से महज 2 किमी दूर चल रही थी डोडाचूरा पीसने की फैक्ट्री, सीबीएन ने करीब 10 क्विंटल डोडाचूरा किया जब्त

आरोपी के ढाबे से भी तस्करी का कनेक्शन खंगाल रही एजेंसी, मल्हारगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थों की तस्करी के लिए बदनाम हो चुके मल्हारगढ़ क्षेत्र में सोमवार को केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर स्थित ग्राम आकली में अवैध रूप से संचालित डोडाचूरा पीसने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 10 क्विंटल डोडाचूरा, डोडाचूरा पीसने की मशीन तथा अन्य सामग्री जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई के बाद सबसे बड़ा सवाल स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर खड़ा हो गया है। जिस स्थान पर लंबे समय से बड़े पैमाने पर डोडाचूरा पीसने का कारोबार चल रहा था, वह मल्हारगढ़ थाने से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं लगी, या यदि जानकारी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई? यह चर्चा पूरे क्षेत्र में बनी हुई है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की ओर से इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक प्रेस नोट जारी नहीं किया गया था।

सुबह छह बजे गांव पहुंची सीबीएन की टीम

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब छह बजे केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम दो बोलेरो वाहनों में सवार होकर ग्राम आकली पहुंची। टीम में करीब एक दर्जन अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। अधिकारियों ने युवराज सिंह के मकान पर एक साथ दबिश दी। करीब दो घंटे तक चली कार्रवाई में घर के भीतर से बड़ी मात्रा में डोडाचूरा, उसे पीसने की मशीन तथा अन्य सामग्री बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने घर के अंदर ही डोडाचूरा पीसने की मशीन स्थापित कर रखी थी, जहां बड़ी मात्रा में डोडाचूरा पीसकर तैयार किया जाता था। कार्रवाई के दौरान बरामद सामग्री को जब्त कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

अफीम का पट्टा नहीं, फिर कहां से आ रहा था माल- सूत्रों के अनुसार आरोपी युवराज सिंह के नाम पर अफीम खेती का कोई वैध पट्टा नहीं है। इसके बावजूद उसके पास भारी मात्रा में डोडाचूरा मिला है। जांच के दौरान यह जानकारी भी सामने आई है कि राजेन्द्र नामक व्यक्ति उसे डोडाचूरा उपलब्ध कराता था। अब जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में लगी हुई हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मादक पदार्थ कहां से आता था और किन-किन लोगों तक पहुंचाया जाता था।

हाईवे पर ढाबा भी संचालित करता है आरोपी- सूत्रों के अनुसार आरोपी का महू-नीमच फोरलेन पर एक ढाबा भी संचालित है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि डोडाचूरा की सप्लाई इस ढाबे के माध्यम से भी की जाती रही होगी। फिलहाल एजेंसी इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि कहीं ढाबा मादक पदार्थों की सप्लाई का माध्यम तो नहीं बना हुआ था।

एक बार फिर कटघरे में स्थानीय पुलिस- सीबीएन की कार्रवाई के बाद सबसे अधिक सवाल स्थानीय पुलिस की भूमिका को लेकर उठ रहे हैं। जिस स्थान पर अवैध फैक्ट्री संचालित हो रही थी, वह थाना मुख्यालय से मात्र दो किलोमीटर दूर स्थित है। ऐसे में लोगों का कहना है कि यदि केंद्रीय एजेंसी को सूचना मिल सकती है तो स्थानीय पुलिस तक यह जानकारी क्यों नहीं पहुंची? क्षेत्रवासियों का कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में डोडाचूरा का भंडारण, पीसाई और सप्लाई एक-दो दिन का काम नहीं हो सकता। ऐसे में यह गतिविधि लंबे समय से संचालित हो रही होगी। इसके बावजूद पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े करता है।

पहले भी सीबीएन कर चुकी है कार्रवाई- गौरतलब है कि कुछ दिन पहले जिले की कचनारा चौकी क्षेत्र में भी केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी। उस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित जिम्मेदार पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लाइन अटैच किया गया था। अब आकली में हुई कार्रवाई के बाद लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इस मामले में भी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई होगी।

महू-नीमच फोरलेन के ढाबे पहले भी रहे हैं जांच एजेंसियों के निशाने पर- महू-नीमच फोरलेन लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर चर्चा में रहा है। जानकारी के अनुसार पिपलिया से आगे मल्हारगढ़ व नीमच के बीच 30 किलोमीटर लंबे हिस्से में कई ढाबों पर पंजाबी भाषा के बोर्ड, सिद्धू मूसेवाला के पोस्टर और कनाडा के झंडे लगे हुए हैं, जबकि यह ढ़ाबे क्षेत्र के लोग ही संचालित कर रहे है। कुछ ढाबों का उपयोग पहले से चिन्हित ट्रक चालकों को अफीम एवं डोडाचूरा उपलब्ध कराने के लिए किया जाता रहा है। इन ढाबों पर बाहरी व्यक्तियों को आसानी से मादक पदार्थ नहीं दिए जाते, बल्कि पहले से तय ग्राहकों के नाम और मोबाइल नंबर दर्ज रहते हैं। कई मामलों में पहचान नहीं होने पर लोगों को पानी तक देने से इंकार कर दिया जाता है।

कई ढाबों पर पहले भी हुई कार्रवाई- पिछले कुछ वर्षों में महू-नीमच फोरलेन पर स्थित कई ढाबों पर पुलिस एवं नारकोटिक्स एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में डोडाचूरा और अफीम जब्त की है। वर्ष 2022-23 में रतलाम-जावरा क्षेत्र में तस्करी के अड्डे बने 37 ढाबों को प्रशासन द्वारा ध्वस्त भी किया गया था। इसके अलावा सूठोद, बावल, सिमलावदा फंटा तथा जीरन क्षेत्र में भी कई बार कार्रवाई हो चुकी है।

क्या आकली की कार्रवाई उसी नेटवर्क का हिस्सा - आकली में पकड़ी गई फैक्ट्री और आरोपी के मल्हारगढ़ क्षेत्र में सूठोद के निकट हाईवे पर स्थित ढाबा संचालक होने की जानकारी सामने आने के बाद यह संभावना भी जताई जा रही है कि यह पूरा मामला महू-नीमच फोरलेन पर सक्रिय तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। हालांकि इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

बड़े सवाल- थाने से महज दो किलोमीटर दूर अवैध फैक्ट्री कैसे संचालित होती रही?

स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं लगी? यदि जानकारी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

क्या हाईवे के कुछ ढाबे अब भी मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क का हिस्सा हैं?

क्या इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी?

इन सवालों के जवाब अब केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की जांच और पुलिस प्रशासन की आगामी कार्रवाई से ही सामने आएंगे।

अधिकारियों ने नहीं उठाया फोन- मामले में पक्ष जानने के लिए मल्हारगढ़ एसडीओपी पिंटू बघेल से मोबाइल नं. 9691127911 एवं थाना प्रभारी अनिल रघुवंशी से मोबाइल नं. 9009001964 पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक दोनों अधिकारियों ने कॉल रिसीव नहीं की।

मुसाफिर वली दरगाह लदूना पहुंचे वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल

21 बच्चों को दी छात्रवृत्ति, 101 पौधारोपण और दुकानों व जमातखाना के निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ के लदूना में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. सनवर पटेल का सीतामऊ क्षेत्र के भगोर, राजनगर और लदूना में मुस्लिम समाज एवं ग्रामीणजनों ने गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद वे हज़रत मुसाफिर वली दरगाह, लदूना पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में समाजजन ने उनका इस्तकबाल किया गया। कार्यक्रम के दौरान 21 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। साथ ही वक्फ कमेटी ने 1000 पौधे लगाने का संकल्प लिया गया जिसका शुभारंभ डॉ. सनावर पटेल के मुख्य आतिथ्य में 101 पौधों का सामूहिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर लदूना सरपंच प्रतिनिधि भरत पाण्डेय, भाजपा मण्डल पूर्व अध्यक्ष लालसिंह देवड़ा, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष इब्राहिम शेरानी रतलाम, जिला वक्फ कमेटी सदर शाकीर हुसैन गढ़वी मंदसौर, इरफान भाई जावरा, वक्फ दरगाह मुसाफीर वाली कमेटी सदर रईस भाई मुआला, नाहर सैयद कमेटी मंदसौर सदर युनुस मेव, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि अशोक हासलिया भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

डॉ. पटेल के हाथों वक्फ दरगाह मुसाफीर वाली कमेटी जानिब से मेरिट में आने वाले कक्षा 12वीं के 2 बच्चों को 10-10 हजार रू., 10वीं के 8 बच्चों को 7-7 हजार रू. व 8वीं के 11 बच्चों को 5-5 हजार रू. की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस दौरान डॉ. पटेल ने दरगाह परिसर में वक्फ बोर्ड की भूमि पर बनने वाली दुकानों व जमातखाना के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर उन्होंने दरगाह परिसर का निरीक्षण किया और समिति द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। दरगाह कमेटी ने बताया कि पिछले लंबे समय से यहां पेयजल, ट्यूबवेल, विद्युत व्यवस्था, शौचालय, स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा ज़ायरीन की सुविधाओं के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद समाजजनों ने कहा कि मुसाफिर वली वक्फ बोर्ड दरगाह कमेटी सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है तथा आने वाले समय में यह समिति पूरे मंदसौर जिले में एक आदर्श संस्था के रूप में अपनी अलग पहचान बनाएगी।

हज़रत मुसाफिर वली दरगाह समिति, लदूना वर्षों से सामाजिक सौहार्द, सेवा और इंसानियत की मिसाल पेश कर रही है। ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा जैसे पावन अवसरों पर समिति हर वर्ष समाज की सेवा और ज़रूरतमंदों की मदद का सराहनीय कार्य करती है। दरगाह पर सभी जाति, धर्म और समुदाय के लोगों का आदर सम्मान सत्कार किया जाता है। यह स्थान हमारी गंगा-जमुनी तहज़ीब, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर हज़रत मुसाफिर वली दरगाह समिति उपाध्यक्ष मोहम्मद रफीक, सचिव अकरम खान, कोषाध्यक्ष सलीम खान शेख, मीडिया प्रभारी शाहरूख, नदीम बरकाती गरोठ, रईस लाला राजनगर, हारून लाला झावल, हारून सरपंच कचनारा, सलीम रेडिमेड मंदसौर, जुल्फीकार शाह मंदसौर, आदिल नीलगर, शाहीद काजी मंदसौर, अफजल शाह मंदसौर, शकील नुरानी मंदसौर, फिरोज मेव, रईस शाह लदूना, साबिर खान लदूना, इमरान सीतामऊ, इमरान लदूना, मोहम्मद हनीफ लदूना, सोहेल लाला राजनगर, गजेन्द्र काजी सीतामऊ, इकबाल भाई सदर सीतामऊ पानपुरिया पंचायत, साजीद भाई लदूना, अतिक भाई, जाहिद खान लदूना जावा भाई लदूना, कय्यूम भाई लदूना, आसीफ भाई सदर सहित बड़ी संख्या में समाजजन व लदूना के ग्रामवासी उपस्थित थे। संचालन काजी साहब आयात उल्ला ने किया एवं आभार सदर रईस भाई मुआला ने माना।

नीमच की फैक्ट्री में फिर बड़ा हादसा! मशीन की चपेट में आया बालक, हाथ कटने के बाद परिजनों ने मांगा न्याय

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मोरका मोड़ स्थित एक प्लास्टिक फैक्ट्री में हुए दर्दनाक हादसे ने श्रमिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फैक्ट्री में काम कर रहे एक किशोर मजदूर का हाथ मशीन की चपेट में आने से कट गया, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। घटना के बाद परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है। परिजनों का दावा है कि घायल कुलदीप भाटी की उम्र 18 वर्ष से कम है और वह मजदूरी कर परिवार का सहारा बनने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान काम करते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घायल की मां का कहना है कि यदि फैक्ट्री में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते तो उनका बेटा आज इस हालत में नहीं होता। घटना को लेकर परिजनों ने मोरका मोड़ स्थित जैन इको प्लास्ट फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक सावधानियां नहीं बरती गईं, जिसके चलते एक किशोर मजदूर का भविष्य दांव पर लग गया। परिजनों ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और आर्थिक सहायता की मांग की है। फिलहाल पूरे मामले की जानकारी संबंधित विभागों और अधिकारियों तक पहुंच चुकी है। हादसे में सुरक्षा मानकों की अनदेखी हुई या नहीं, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। वहीं जिला चिकित्सालय में घायल किशोर का उपचार जारी है और परिवार न्याय की आस लगाए बैठा है।

जिला स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति की बैठक संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष, नीमच में जिला स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव ने की। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैठक में मादक पदार्थों की रोकथाम एवं नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सात प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई। इसके तहत जिले में अफीम, गांजा एवं भांग की अवैध खेती की सघन निगरानी, अंतर्राज्यीय प्रकरणों की जांच की नियमित समीक्षा, स्कूलों एवं कॉलेजों में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए व्यापक जागरूकता अभियान, मादक फसलों की अवैध खेती से प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक विकास कार्यक्रमों का संचालन, जिले में संचालित नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों का नियमित पर्यवेक्षण आदी।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने होटल-रेस्टोरेंटों का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नीमच द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नयागांव एवं केसरपुरा क्षेत्र के होटल एवं रेस्टोरेंटों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 13 खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजू सोलंकी एवं टीम ने होटल जैन मधुबन,नयागांव टोल प्लाजा का निरीक्षण कर विक्रय हेतु भंडारित जीरा, काली मिर्च, अजवाइन एवं मेथीदाना के 4 नमूने लिए।

इसी प्रकार श्री अन्नपूर्णा होटल, नयागांव टोल प्लाजा से सौंफ, जीरा, तिल एवं लौंग के 4 नमूने तथा होटल जाट श्री, मेन रोड केसरपुरा (तहसील जावद) से पनीर, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर एवं जीरा के 5 नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत मानक गुणवत्ता की जांच के लिए लिए गए। निरीक्षण के दौरान तीनों प्रतिष्ठानों द्वारा खाद्य निर्माण में उपयोग किए जाने वाले पानी की जांच रिपोर्ट, तैयार खाद्य पदार्थों की परीक्षण रिपोर्ट तथा कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा-32 के अंतर्गत नोटिस जारी किए गए। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठानों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उससे संबंधित नियमों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

जेल में भी कैदियों की खाद्य सुरक्षा हेतु विभाग से जांच कराने के निर्देश दिए

छात्रावासो में खाद्य सुरक्षा एवं भोजन की शुद्धता सुनिश्चित की जाए, समीक्षा बैठक में कलेक्टर के निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के छात्रावासो मे रहवासी विद्यार्थियों को खराब भोजन से सुरक्षा मिले उनको शुद्ध भोजन मिले यह सुनिश्चित करें कृषि विभाग चालू मानसून सत्र में किसान हित में लगातार कार्रवाईयां जारी रखे। दुकानदारों द्वारा अवमानक खाद बीज तथा कीटनाशक दवाइयां विक्रय नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए। शासकीय विभागों, शिक्षा, महिला बाल विकास, स्वास्थ्य आदि विभागों के कर्मचारियों द्वारा सार्थक ऐप पर उपस्थिति नियमित रूप से दी जावे उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने सोमवार को आयोजित समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीति संघवी एसडीएम श्री पाटीदार तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे

कलेक्टर ने कृषि विभाग को निर्देशित किया कि अवनानक सामग्री विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए नियमित रिपोर्ट जिला स्तर पर दी जावे विभागीय जांच भी सुनिश्चित करें जिला उद्यानिकी विभाग किसान उत्पादक संघों का गठन करें। जिले के उद्यानिकी क्षेत्र को गिरदावरी में अनिवार्य शामिल कराया जाये। कृषि विभाग मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट समय सीमा में उपलब्ध करावें। मल्हारगढ़ क्षेत्र में कम मिट्टी परीक्षण पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए गये। बैठक में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री की अनुपस्थिति पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए लोक निर्माण विभाग तथा नेशनल हाईवे के अधिकारियों का एक्सप्रेस वे पर संयुक्त भ्रमण के लिए निर्देशित किया गया। आगामी सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत जिले में भी निर्माणाधीन सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा करते हुए समय सीमा में कार्य पूर्णता के लिए विभागों को निर्देशित किया गया। उल्लेखनिय है कि जिले में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, नगर पालिका मंदसौर आदि विभागों द्वारा सिंहस्थ के कार्य संपादित किये जा रहे हैं इसके साथ ही कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देशित किया कि बगैर कलेक्टर अनुमोदन के कोई भी कार्य संशोधित नहीं किये जाये। सिंहस्थ कार्यो के संबंध में एक विशेष बैठक इसी सप्ताह आयोजित की जाएगी कलेक्टर द्वारा सेतु निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन ब्रिज निर्माण की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा जेल में भी कैदियों की खाद्य सुरक्षा हेतु विभाग से जांच कराने के निर्देश दिए गये। लोक निर्माण विभाग को जिले के ब्लैक स्पॉट निरीक्षण कर निराकरण के लिए निर्देशित किया गया।

राष्ट्रसंत कमलमुनि की प्रेरणा से नीमच में उमड़ा गौ भक्ति का सैलाब

जहां नारी शक्ति गौ सेवा में जुड़ जाए तो धरती पर बैकुंठ उतर आता है – संचेती

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के नीमच जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दुर स्थित चाल्दू जैन दिवाकर गुरु कमल तीर्थ एवं श्री वृन्दावन गौशाला में राष्टसंत कमल मुनि जी महाराज कमलेश की प्रेरणा से एक भव्य महिला अधिवेशन और गौ भक्ति का अलौकिक कार्यक्रम अखिल भारतवर्षीय जैन दिवाकर विचार मंच (रजिस्टर्ड) नई दिल्ली की महिला शाखा की राष्टीय मंत्री मेवाड़ मणि तपस्वी रत्ना श्रीमती मधु संचेती की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता जैन समाज के विख्यात समाजसेवी समाज रत्न दिनेश संचेती दिनकर थे। वीरांगना कार्यक्रम की राष्टीय संयोजिका व वर्धमान स्थानकवासी महिला मंडल अध्यक्ष आशा सांभर एवं विचार मंच की राष्टीय उपाध्यक्ष रानी राणा के नेतृत्व में हुए इस भव्य समारोह में निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता चंद्र प्रकाश संचेती, श्री ऑल इंडिया जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के वरिष्ठ मार्गदर्शक अभय सुराना, नगर निगम भीलवाड़ा के अधिशाषी अभियंता सूर्य प्रकाश संचेती, ह्यूमन राइट्स राजस्थान प्रदेश की सचिव सरोज कावडिया, समाजसेवी ज्ञान लता संचेती भीलवाड़ा, कमल जैन गौशाला की संचालिका आभा गांधी धागड़महू, राष्टीय महामंत्री अभय श्रीमाल प्रतिष्ठित कारोबारी अक्षत संचेती, तपस्वी सुश्राविका प्रमिला सुराना बतौर विशिष्ट अतिथि अपस्थित थे।

मुख्य वक्ता, मुख्य अतिथि दिनेश संचेती दिनकर ने इस अवसर पर महिला शक्ति में संजीवनी फूंकते हुए कहाकि जहां नारी शक्ति मिलकर साक्षात गौ माता की सेवा में जुट जाती है, वहाँ साक्षात बैकुंठ के 56 करोड़ देवी देवता खुद धरती पर उतर आते हैं । आप सभी साधारण महिलाएँ नहीं हैं बल्कि आप हमारे समाज की असली शक्ति हैं। मैं आपके इस अदभूत जज्बे को नमन करता हूँ । महिला अधिवेशन एवं गौ माता के लिए छप्पन भोग का यह पावन आयोजन समाज व देश में सुख समृद्धि लाने का द्योतक है ,जो सभी लोगों के लिए प्रेरणा का विषय बनेगा। श्री संचेती ने 18 प्रदेशों के राजकीय अतिथि राष्टसंत कमल मुनि जी महाराज की गौ भक्ति एवं अनूठे व्यक्तित्व-कृतित्व को उकेरित करते हुए कहा की उनके चिंतन ने समाज को नई दिशा प्रदान की है । गाय केवल पशु नहीं बल्कि हमारी भारतीय संस्कृति में कामधेनु और माता के समान है। गाय माता के सामने आप बेटी के रूप में हैं, अतः यह मां बेटी का संगम है। मधु संचेती सहित महिलाओं एवं अतिथियों के साथ गौ माता का पूजन कर 56 भोग खिलाते हुए दिनेश संचेती ने कहा की हमारा लक्ष्य ऐसी सेवा को देशव्यापी बनाना है। आप सबके सहयोग से एवं महिलाओं के सहयोग से ऐसे आयोजन देश के कौने कौन में आयोजित किए जाएंगे। चंद्र प्रकाश सूर्य प्रकाश संचेती ने इस घोषणा की अनुमोदना की। इस पूनित अवसर पर राजस्थान के चित्तोड़गढ़ जिले की बेगूं निवासी सरोज कावडिया, सुशीला आंचलियां के नेतृत्व में गौ माता के लिए भव्य छप्पन भोग का आयोजन किया गया। व वर्धमान स्थानकवासी महिला मंडल द्वारा हरीधास

गौ सेवा के इस महा अभियान में संचेती परिवार ने अनुकरणीय पहल करते हुए गौ शाला में बड़ी संख्या में उपस्थित गौ वंश के लिए बड़ी मात्रा में गुड़ का वितरण किया और गायों को हरा चारा डलवाया , जिसे उपस्थित महिला शक्ति व गौ भक्तों ने उत्साह के साथ गायों को परोसा। समारोह को समाजसेवी अभय सुराणा, आशा सांभर, रानी राणा, अभय श्रीमाल, सरोज कावडिया, संगीता नाहर, जतन घोटा जैन दिवाकर वैयावच्छ कमल मुनी के निश्रा मे चल रहें श्रीमती शकुंतला गोपावत ने परिषद में भक्ति रस का संचार करते हुए सभी को हंसने पर विवश कर दिया।

मंचासीन अतिथियों का नीमच वर्धमान स्थानकवासी महिला मंडल की ओर से अभिनंदन किया। इसी क्रम में राष्टीय मंत्री मधु संचेती ने राष्टीय विरांगना संयोजिका विचार मंच की ओर से आशा सांभर , रानी राणा नीमच ,सरोज कावड़िया बेगूं, आभा गांधी धागड़महू, जतन घोटा, सुशीला आंचलियां, संतोष चौहान , मंजू बोहरा, रेखा चौधरी, माया वीरवाल, संगीता नाहर, शकुंतला गोपावत मंजु बंब कुसुम धींग सुशीला भामावत राजकुमारी चंडालिया सहित कई महिलाओं तथा अभय सुराणा, अभय श्रीमाल समाजसेवी डांगी सुरज मलजी घोटा सुरेन्द्र बंब डा. वोरीवाल शोभाराम विरवाल डा.बंब सा. आदि की उपस्थिति रही विशिष्ट समाज सेवाओं के प्रति अभिनंदन किया गया। गौशाला के प्रति समर्पित विक्रम सिंह सोनगरा व गोपाल भाटी की सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मधु संचेती ने राष्टसंत कमलमुनि जी महाराज के जीव दया के प्रति समर्पण की प्रशंसा की । उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश व राजस्थान के विचार मंच मंडलों के प्रमुख अधिकारियों के अधिवेशन के बाद अन्य प्रदेशों में भी ऐसे आयोजन कर प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा तथा जीव दया के लिए 56 भोग, गुड़,घास सहित विभिन्न प्रकल्प अभियान के रूप में चलाए जाएंगे । सरोज कावड़िया ने अगले 56 भोग के लिए जावरा गौशाला की घोषणा की। राष्टीय मंच की ओर से अध्यक्षीय उद्बोधन में मधु संचेती ,56 भोग सहयोग के प्रति सरोज कावड़िया एवं नीमच वर्धमान स्थानकवासी महिला मंडल की ओर से आशा सांभर व रानी राणा ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार अभिव्यक्त किया। संचालन आशा सांभर ने किया।

23 जुलाई को आईटीआई नीमच में लगेगा युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, नीमच के माध्यम से युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला, नीमच का आयोजन 23 जुलाई 2026 (गुरुवार) को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), ग्राम डूंगलावदा, जिला नीमच में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा एवं किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण, लगभग 18 से 35 वर्ष आयु के इच्छुक युवक-युवतियां भाग ले सकते हैं।

इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक योग्यता से संबंधित समस्त मूल दस्तावेज एवं छायाप्रति, रोजगार पंजीयन कार्ड, नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो तथा अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्र लेकर उपस्थित होना होगा।

सम्पादकीय

विदेशी पूंजी के लिए भारत को आकर्षक बनाने की राहः आरबीआई के जून कदमों से आगे

भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी उधारी को प्रोत्साहन देकर रुपये को सहारा देने के लिए पिछले हफ्ते कई उपायों की घोषणा की। वे उपाय अभी तक तो कारगर नजर आ रहे हैं और रुपया ठहर गया है। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि यह स्थिरता बनी रहेगी या नहीं। उत्तर इस बात पर निर्भर करता है कि समस्या स्थायी है या अस्थायी। अगर अस्थायी है तो रिजर्व बैंक की रणनीति समझ में आती है। जब तक स्थिति नहीं सुधरती तब तक उधारी के जरिये डॉलर की किल्लत खत्म की जा सकती है। लेकिन समस्या स्थायी है तो उधारी उस बदलाव को कुछ समय तक टाल भर सकती है। आखिर में यही समस्या लौट आएगी और तब देश को ज्यादा नाजुक हालत में रहकर उससे निपटना होगा क्योंकि उस बीच में बहुत कर्ज चढ़ चुका होगा।

तो क्या यह समस्या अस्थायी है? हां, मगर थोड़ी बहुत। पश्चिम एशिया में जंग छिड़ने से तेल की कीमतें उछल पड़ी हैं। इससे आयात पर होने वाला भारत का खर्च बढ़ गया है और भुगतान संतुलन पर दबाव उत्पन्न हुआ है। परंतु यह समस्या का केवल छोटा सा हिस्सा है। अगर तनाव कुछ और महीने चलता रहा और तेल की कीमतें वापस 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं तो भी भारत का चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 2 फीसदी की पुरानी सुरक्षित सीमा में रह सकता है।

बड़ी समस्या पूंजी खाते में है। 1991 के सुधारों के बाद लंबे समय तक भारत ने काफी विदेशी पूंजी आकर्षित की। 2000 के दशक के मध्य में जब निवेश बढ़ा तो इतनी अधिक पूंजी आई कि उससे चालू खाते के घाटे (सीएडी) को भरपाई तो आसानी से हो ही गई, रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार भी जमा हो गया। यही कारण है कि जीडीपी का लगभग 2 प्रतिशत चालू खाते का घाटा सुरक्षित माना जाने लगा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पूंजी की आवक लगातार कम हुई है और इस समय जितनी विदेशी पूंजी आ रही है, उससे चालू खाते का मामूली घाटा भी नहीं पाटा जा सकता।

विदेशी पूंजी का महत्त्व एक और कारण से भी है। सरकार का लक्ष्य भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है और इसके लिए अर्थव्यवस्था को अगले दो दशकों तक हर वर्ष लगभग 8 प्रतिशत की वास्तवकि वृद्धि करनी होगी। इसे हासिल करने के लिए और भी अधिक निवेश की आवश्यकता होगी। केवल घरेलू बचत पर्याप्त नहीं होगी। इसलिए इस अंतर का कुछ हिस्सा विदेशी पूंजी की मदद से भी पाटा जाएगा।

क्रमिक पूंजी-उत्पादन अनुपात (आईसीओआर) पर विचार कीजिए। इससे पता चलता है कि जीडीपी में एक रुपया अधिक उत्पन्न करने के लिए कितने रुपये निवेश करने होंगे। भारत का आईसीओआर लंबे समय से 4.5 से 5 के बीच रहा है। यही दर रही तो जीडीपी में 8 प्रतिशत वार्षिक की वास्तविक वृद्धि के लिए हर वर्ष जीडीपी का 36 से 40 प्रतिशत निवेश करना होगा। आज भारत की कुल बचत जीडीपी की लगभग 30 प्रतिशत है और निवेश भी इतना ही है। इसलिए निवेश का जो स्तर उच्च वृद्धि बनाए रखने के लिए आवश्यक है, वहां तक पहुंचने के लिए हर साल 6 से 10 प्रतिशत जीडीपी और निवेश करना होगा। आज जीडीपी लगभग 4 लाख करोड़ डॉलर है। इस हिसाब से केवल 6 प्रतिशत भी निवेश करें तो सालाना लगभग 240 अरब डॉलर लगाने होंगे। जब तक घरेलू बचत पर्याप्त नहीं बढ़ जाती तब तक भारत को यह कमी पूरी करने के लिए विदेशी पूंजी की ही आवश्यकता होगी।

अब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि भारत अधिक विदेशी पूंजी कैसे ला पाएगा। रिजर्व बैंक का 5 जून का पैकेज और विशेष रूप से विदेशी निवेशकों की बॉन्ड खरीद पर पूंजीगत लाभ कर हटाना सही दिशा में एक कदम है। लेकिन और भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ावा देने के लिए अभी तक कुछ नहीं किया गया है। यह मायने रखता है क्योंकि एफडीआई न केवल पोर्टफोलियो निवेश से अधिक स्थिर होता है बल्कि तकनीक और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क भी उपलब्ध कराता है, जिसकी प्रतिस्पर्द्धी विनिर्माण क्षेत्र बनाने के लिए भारत को बहुत आवश्यकता है।

एफडीआई की आवक बढ़ाने के लिए तीन नीतिगत कदम महत्वपूर्ण हैं। पहला है भारत के व्यापार शासन को उदार बनाना। आयात शुल्क कम करने होंगे, सीमाशुल्क संरचना आसान बनानी होगी और विनिर्माताओं के लिए सामग्री का आयात मुश्किल बनाने वाले मात्रा नियंत्रण आदेश खत्म करने होंगे। दूसरा, नीति-निर्माताओं को द्विपक्षीय निवेश संधियों का नेटवर्क फिर बनाना होगा, जिसे 2016 से 2024 के बीच पूरी तरह समाप्त कर दिया गया था। कारखाना लगाने के लिए लंबे समय तक भारी निवेश करना पड़ता है। विदेशी निवेशक इसका बीड़ा तभी उठाएंगे, जब उन्हें विश्वास होगा कि विवादों का निपटारा भरोसेमंद तथा ज्ञात कानूनी प्रक्रिया से होगा।

तीसरा, नीतिगत स्थिरता आवश्यक है। दीर्घकालिक निवेश करने वाले निवेशकों को यह भरोसा चाहिए कि उनके निवेश करने के बाद नियम नहीं बदलेंगे। पुरानी तारीख से कर लगाने पर वोडाफोन के साथ हुआ विवाद उस भरोसे को ठेस पहुंचाई। हालांकि उसके बाद से सरकार इस तरह का कर लगाने से मना कर चुकी है किंतु नीतियों में हाल में हुई उलटबांसी के कारण वे चिंताएं बनी हुई हैं। रिजर्व बैंक का मार्च का निर्णय इसका उदाहरण है, जिसमें बैंकों को करोड़ों डॉलर की अपनी ऑफशोर फॉरवर्ड पोजिशन खत्म करनी थी। नीति उचित रही हो या नहीं रही हो, इस तरह के अप्रत्याशित बदलाव से भारत में निवेश ज्यादा जोखिम भरा लगने लगता है।

बदलते हिमालय के बीच बदलनी होगी तीर्थयात्रा की संस्कृति

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज़ प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बर्फानी के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है। यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है। असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीर्थयात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता।

अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है। ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है।

सच यह है कि तीर्थयात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाज़ुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया। यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है—ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं।

समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े। हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले। तीर्थयात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए।

तीर्थयात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने। डिजिटल ट्रैकिंग से भीड़ का वास्तविक समय में प्रबंधन हो, ताकि किसी भी मार्ग पर क्षमता से अधिक दबाव न पड़े। इससे दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और बदलते मौसम के अनुरूप प्रशासन समय रहते निर्णय ले सकेगा। तकनीक यदि भीड़ जुटाने का साधन बन सकती है, तो प्रकृति की रक्षा और तीर्थयात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का माध्यम भी बन सकती है।

इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब ÷क्लाइमेट रेसिलिएंट तीर्थयात्रा नीति÷ केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है। इसमें केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, धार्मिक गुरु, पर्यावरण विशेषज्ञ, मौसम वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वर्चुअल या डिजिटल दर्शन की व्यवस्था भी इतनी सशक्त हो कि प्रतिकूल मौसम, स्वास्थ्य अथवा आयु के कारण यात्रा न कर पाने वाले श्रद्धालुओं की आस्था भी निर्बाध बनी रहे। साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में व्यापक वृक्षारोपण, ग्लेशियर संरक्षण परियोजनाओं और सस्टेनेबल पर्यटन मॉडल को प्राथमिकता मिले। इससे यात्रा अधिक सुरक्षित होगी, प्रकृति का संतुलन सुदृढ़ होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक आधार मिलेगा। भविष्य उसी का होगा, जहाँ संरक्षण और विकास प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयात्री बनें।

सबसे बड़ा बदलाव व्यवस्थाओं से पहले हमारी सोच में आना होगा। अमरनाथ केवल बर्फ से बनी एक गुफा नहीं, हिमालय की सजीव चेतना का प्रतीक है। उसकी बर्फ, नदियाँ, वन और पर्वत केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं, हमारे अस्तित्व की आधारशिला हैं। यदि इन्हें बचाने में हम चूक गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल अमरनाथ यात्रा ही नहीं, हिमालय की आज की विराटता को भी इतिहास के पन्नों में तलाशेंगी। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई है; उसकी दस्तक हमारे खेतों, शहरों और तीर्थों तक पहुँच चुकी है। इसलिए तीर्थयात्रा को जलवायु-अनुकूल बनाना आस्था पर अंकुश नहीं, उसे आने वाले समय तक अक्षुण्ण रखने का दायित्व है। आखिर प्रकृति ही सबसे बड़ा तीर्थ है; यदि वही संकट में पड़ गई, तो शेष सभी तीर्थ केवल स्मृतियों के स्मारक बनकर रह जाएंगे।

-प्रो. आरके जैन

मैं ही सब कुछ, यह मिथ्या भाव व्यक्तित्व के विनाश का बड़ा कारण

भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अहंकार को मनुष्य के पतन का प्रमुख कारण बताया है। गीता का संदेश है कि मनुष्य कर्म करे, किंतु कर्तापन का अहंकार न पालें। जब व्यक्ति स्वयं को हर कार्य का केंद्र मान लेता है, तब उसके भीतर विनम्रता समाप्त होने लगती है। वह दूसरों के योगदान को कमतर आंकने लगता है और यहीं से उसके व्यक्तित्व का अवनयन प्रारंभ हो जाता है। संत कबीर ने भी कहा है

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।

सब अँधियारा मिट गया, जब दीपक देखा माहिं।। यह दोहा केवल आध्यात्मिक सत्य नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन का भी सार है। जहाँ अहंकार है, वहाँ सहयोग नहीं टिकता; जहाँ विनम्रता है, वहाँ संबंध भी मजबूत होते हैं और सफलता भी स्थायी बनती है।

मनुष्य के व्यक्तित्व का सबसे बड़ा शत्रु बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि उसके भीतर बैठा हुआ मैं है। यह वही मैं है, जो धीरे-धीरे अहंकार का रूप धारण कर लेता है और व्यक्ति को यह भ्रम होने लगता है कि उसके बिना परिवार नहीं चल सकता, समाज ठहर जाएगा, उसका व्यवसाय समाप्त हो जाएगा या जिस संस्था में वह कार्यरत है, वह उसके अभाव में बिखर जाएगी। वस्तुतः यह एक मिथ्या-भाव है, जिसका वास्तविकता से बहुत कम संबंध होता है। प्रकृति का सबसे बड़ा सत्य परिवर्तन है। संसार का प्रत्येक कार्य किसी एक व्यक्ति पर नहीं टिका है। सूर्य प्रतिदिन उदित होता है, नदियाँ निरंतर बहती हैं, ऋतुएँ बदलती रहती हैं और समय अपनी गति से चलता रहता है। किसी एक व्यक्ति के होने या न होने से प्रकृति का क्रम नहीं रुकता। यही नियम समाज, परिवार और संस्थाओं पर भी लागू होता है।

इतिहास साक्षी है कि जिन व्यक्तियों को अपने समय में अपरिहार्य समझा जाता था, उनके जाने के बाद भी समाज आगे बढ़ता रहा। बड़े-बड़े सम्राट, उद्योगपति, वैज्ञानिक और नेता आए और चले गए, लेकिन जीवन का प्रवाह कभी नहीं रुका। इसलिए यह मान लेना कि ÷मेरे बिना कुछ नहीं होगा÷, स्वयं को धोखा देने जैसा है। आज का मनुष्य अपने पद, प्रतिष्ठा, धन और अधिकार के कारण स्वयं को अत्यधिक महत्वपूर्ण समझने लगता है। वह सोचता है कि कार्यालय में वही सबसे अधिक सक्षम है, परिवार उसी पर निर्भर है या समाज उसके बिना अधूरा है। किंतु यदि वह कुछ समय के लिए स्वयं को इन सब से अलग कर ले, तो उसे अनुभव होगा कि व्यवस्था अपने ढंग से चलती रहती है। लोग कुछ दिन उसकी कमी अवश्य महसूस करते हैं, परंतु धीरे-धीरे परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल लेते हैं। यही जीवन का स्वाभाविक नियम है। परिवार हो या समाज, प्रत्येक व्यवस्था सामूहिक सहयोग पर आधारित होती है। माता-पिता, जीवनसाथी, संतान, सहकर्मी और मित्र सभी का अपना-अपना योगदान होता है। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को ही सब कुछ मानने लगे, तो वह दूसरों के महत्व को नकारने लगता है। परिणामस्वरूप संबंधों में दूरी, कार्यस्थल पर तनाव और जीवन में अकेलापन बढ़ने लगता है।

-संजीव ठाकुर

विक्रम-1: नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है।

विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरुआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है।

विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। 'विक्रम-1' को विकसित करने वाली निजी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए।

गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था। यह सफलता केवल एक कंपनी की उपलब्धि नहीं है। यह उस नई नीति का परिणाम भी है जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश और स्टार्टअप के लिए खोलने का साहसिक निर्णय लिया। नई अंतरिक्ष नीति, इन-स्पेस जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए उदार प्रावधानों ने भारतीय युवाओं के सामने नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज देश में अनेक स्पेस स्टार्टअप उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली, अंतरिक्ष संचार और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा। किन्तु हर सफलता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है।

विक्रम-1 की पहली उड़ान सफल अवश्य रही है, परंतु अंतरिक्ष उद्योग में स्थायी सफलता केवल एक प्रक्षेपण से सुनिश्चित नहीं होती। स्काईरूट एयरोस्पेस को अब वैश्विक बाजार में स्पेसएक्स, रॉकेट लैब तथा चीन की अनेक निजी कंपनियों जैसी सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। नियमित ग्राहक, समय पर प्रक्षेपण, कम लागत, उच्च विश्वसनीयता तथा भविष्य में पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक विकसित करना उसकी अगली बड़ी परीक्षा होगी। अंतरिक्ष उद्योग में विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है और वह निरंतर सफल अभियानों से ही अर्जित किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच एक गंभीर प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है-क्या इसरो अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रख पाएगा? हाल के वर्षों में अनेक अनुभवी वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर आकर्षित हुए हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर कार्य संस्कृति, अनुसंधान की स्वतंत्रता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण भी है।

इसरो ने भारत को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1, गगनयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां दी हैं। सीमित संसाधनों में विश्वस्तरीय परिणाम देकर इसरो ने पूरी दुनिया का सम्मान अर्जित किया है। किंतु यदि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक धीरे-धीरे संस्थान से बाहर जाते रहे तो दीर्घकाल में अनुसंधान और राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इसरो के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए मिशन तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रेरित, सम्मानित और संतुष्ट बनाए रखना भी है। सरकार को चाहिए कि इसरो के वैज्ञानिकों के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन संरचना, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां विकसित करे। सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का वातावरण तैयार होना चाहिए। निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहयोगी बन सकता है। जिस प्रकार अमेरिका में नासा और स्पेसएक्स मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं, उसी प्रकार भारत में इसरो और निजी कंपनियों का समन्वय देश को वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि अंतरिक्ष विज्ञान को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के स्तर तक पहुंचाया जाए। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं का विषय न रहकर जन-आंदोलन बने। युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवाचारकर्ताओं को स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। यदि प्रत्येक राज्य में स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर स्थापित किए जाएं, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान साझेदारी विकसित की जाए तथा अंतरिक्ष तकनीक में निवेश को बढ़ावा दिया जाए तो भारत अगले दशक में विश्व का अग्रणी अंतरिक्ष नवाचार केंद्र बन सकता है। भविष्य की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक कदम अत्यंत आवश्यक हैं-इसरो और निजी कंपनियों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ हों; पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक और हरित प्रणोदन (ग्रीन प्रोपल्शन) पर विशेष निवेश किया जाए; अंतरिक्ष विनिर्माण के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाए; युवाओं के लिए अंतरिक्ष उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष कोष बनाए जाएं; तथा अंतरिक्ष कानूनों को सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) के प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा, क्योंकि भविष्य का अंतरिक्ष विकास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी विषय है।

विक्रम-1 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह सफलता नए भारत के आत्मविश्वास, युवाओं की प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच की विजय है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने कभी साइकिल और बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ढोए थे और आज निजी क्षेत्र के माध्यम से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वास्तव में, विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का उड़ता हुआ प्रतीक है। यह सफलता हमें यह संदेश देती है कि यदि नीति, प्रतिभा, उद्योग और राष्ट्रीय संकल्प एक दिशा में आगे बढ़ें तो असंभव भी संभव बन जाता है। निजी क्षेत्र की यह सफलता विज्ञान में अभिरुचि रखने वाले भारतीयों के लिए एक आह्वान है- अंतरिक्ष सेनानिया करो प्रयाण, सारा आकाश तुम्हारा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि को एक शुरुआत मानते हुए भारत अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की ऐसी मजबूत नींव तैयार करे, जहां इसरो की गौरवशाली परंपरा और निजी क्षेत्र की नई ऊर्जा मिलकर विश्व को नई दिशा दें। तभी सच अर्थों में यह कहा जा सकेगा कि अब केवल धरती ही नहीं, बल्कि पूरा आकाश भी भारत की नई विकास-गाथा का विस्तार बन चुका है।

- ललित गर्ग

सद्गुरु वही है जो मनुष्य को गरिमामय व तेजपूर्ण बना दे

गुरु की महिमा हमारे शास्त्रों में ईश्वर से अधिक मानी गई है क्योंकि ईश्वर मनुष्य को जन्म देता है, उसका निर्माण करता है व गुरु मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण करता है वह उसे पुनर्जन्म प्रदान करता है। सहजयोग संस्थापिका आदिशक्ति स्वरूपा श्री माताजी निर्मला देवी जी समस्त गुरुओं की भी गुरु है व उनके द्वारा स्थापित सहजयोग मानव को भवसागर के पार ले जाने का अत्यंत ही सुगम मार्ग है। श्री माताजी के अनुसार, सदगुरु का स्थान अपने शरीर में है , जो हमारे शरीर में हमारी नाभि के चारों तरफ है। सद्गुरु का स्थान आपमें बहुत पहले से स्थापित है । गुरुतत्व अनादि है आपमें अदृश्य रूप से तीन मुख्य शक्तियाँ कार्यान्वित हैं - महाकाली , महासरस्वती एवं महालक्ष्मी की शक्ति । हमारा गुरुतत्व इन तीनों के समन्वय से बना है , यह गुरुतत्व हमारे अन्दर परमेश्वर ने बहुत ही नूतन स्वरूप में स्थापित किया है ।

गुरु शब्द का अर्थ है गुरुत्व । आपके गुरुपद की द्वितीय अवस्था में गुरुत्व की अभिव्यक्ति होना आवश्यक है । गुरुत्व तो आपके अन्दर है , ज्योंही आप साक्षी बनते हैं आपका गुरुत्व स्वतः ही प्रकट होने लगता है । यह क्रोध या गम्भीरता के रूप में नहीं प्रकट होता है , इसकी अभिव्यक्ति तो इस प्रकार होगी कि सभी कुछ अत्यन्त गरिमामय और तेजपूर्ण बन जाएगा। जिस व्यक्ति को परमात्मा पर विश्वास है वह स्वयं परमात्मा है । गुरु को ब्रह्मचैतन्य कहते हैं । जब आपका विश्वास पूर्णतया स्थिर हो जाता है कि सर्वशक्तिमान परमात्मा हैं और मैं उनका दूत हूँ और जब आपमें यह विश्वास पूर्णतया दृढ़ हो जाता है तब आप गुरुपद पर आरूढ़ हो जाते हैं ।

इसीलिए श्री माताजी सहजयोग में कुंडलिनी जागरण से पूर्व आपको अपने स्वयं के गुरु होने का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। जिससे आप सदैव आनंदमय व साक्षी स्वरूप रहते हुए परम चैतन्य से एकाकारिता को स्थापित कर सकें। आत्म ज्ञान के प्रकाश में कुंडलिनी शक्ति की उर्जा द्वारा प्रेममय व करुणामय तरीके से अनेकानेक साधकों को भवसागर से मुक्ति का मार्ग दिखा सकें।

भारत की उभरती एकदलीय राजनीति में कांग्रेस के लिए खुला नया रास्ता

महज दो सप्ताह पहले मैंने इसी स्तंभ में लिखा था कि कैसे नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोक सभा में बहुमत से दूर होने के बाद भी देश को एकदलीय व्यवस्था की ओर ले जा रही है। संसद के मॉनसून सत्र में इसका भी परीक्षण होगा। इस दौरान स्पष्ट हो सकता है कि भारत एकदलीय देश बनता जा रहा है। बेशक इसका दूसरा पहलू भी होगा। किसी दूसरी पार्टी के उभरने की संभावना भी होगी बशर्ते वह उन क्षेत्रीय पार्टियों के बचे-खुचे वोट बैंक को समेट ले, जिन्हें भाजपा या तो खत्म कर रही है या खुद में मिला रही है।

विडंबना है कि भाजपा की यह अविश्वसनीय जीत ही कांग्रेस को मौका देगी, जिससे वह देश भर में भगवा पार्टी को चुनौती देने वाली इकलौती पार्टी के रूप में अपनी ताकत फिर हासिल कर सकती है। मुझे पता है कि कांग्रेस के कट्टर विरोधी भी इस पर संशय करेंगे और बार-बार निराश हुए समर्थक भी। लेकिन मोदी, शाह और भाजपा इससे सहमत होंगे। उन्हें पता है कि उनके सामने चुनौती कांग्रेस से ही आती है। मोदी के हाल के वर्षों के चुनावी भाषण देखें। वह कांग्रेस और गांधी परिवार पर ही सबसे अधिक हमला करते हैं।

राज्यों के चुनावों में भी यही दिखता है। आंध्र प्रदेश में मोदी ने बार-बार कहा कि अपनी तुष्टीकरण की नीति के कारण कांग्रेस ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया। झारखंड में कांग्रेसी मंत्री के सहयोगी के घरेलू सहायक के घर से नकदी बरामद होने का मामला उठाते हुए उन्होंने पूछा कि पार्टी ने अपने पैसे के गोदाम कहां-कहां बना रखे हैं। आंध्र प्रदेश में भी यही सवाल उठाया गया जहां कांग्रेस को 2024 के आम चुनाव में केवल 2.74 प्रतिशत वोट मिले। ओडिशा में जहां कांग्रेस का नामलेवा नहीं है, उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस का 'शहजादा' 2014 वाली स्क्रिप्ट ही पढ़ रहा है।'

बिहार में जहां कांग्रेस, यादव परिवार की सहयोगी है, उन्होंने तुष्टीकरण की राजनीति के लिए बार-बार उसे निशाना बनाया। जिस पश्चिम बंगाल में भाजपा की एकमात्र प्रतिद्वंद्वी ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस थी, वहां उन्होंने कांग्रेस को उसके साथ जोड़ते हुए कहा कि दोनों ने मिलकर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण रोकने की साजिश की।

चाहे ऐसा नगरपालिका चुनाव ही क्यों न हो, जहां कांग्रेस का वजूद ही नहीं, भाजपा वहां भी उसे ही निशाना बनाती है। यह प्रमाण है कि मोदी कांग्रेस को अपनी एकमात्र संभावित चुनौती मानते हैं। वे इतने चतुर हैं कि उसे नगण्य बताकर तिरस्कारपूर्वक खारिज नहीं करते।

मॉनसून सत्र में इस तर्क की परीक्षा इस बात से होगी कि भाजपा दलबदल, समावेशन या अनुपस्थिति के जरिये दो-तिहाई बहुमत जुटा पाती है या नहीं। और फिर संसद का आकार बढ़ाने, नया परिसीमन करने और उसके भीतर महिलाओं के आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधन कर पाती है या नहीं। अपनी केवल 240 सीटें होने के बाद भी 362 या उससे अधिक का दो-तिहाई बहुमत हासिल करना वाकई राजनीतिक चमत्कार होगा।

इसके बाद भाजपा की नजर अगले साल की शुरुआत में होने वाले उत्तर प्रदेश और पंजाब तथा बाद में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनावों पर होगी। उसके अगले साल कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ होंगे। मैं लोकसभा में 10 से अधिक सदस्य देने वाले राज्य ही गिना रहा हूं। इनमें से अधिकांश में कांग्रेस ही भाजपा की मुख्य चुनौती होगी। इसलिए भाजपा का कांग्रेस-विरोधी सुर तीखा होता जाएगा।

लेकिन भाजपा की नजर 2029 और उससे आगे है। उसे प्रतिद्वंद्वी कौन लगता है? उसे 240 सीटों तक रोकने वाले क्षेत्रीय और जाति आधारित दलों में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के सिवा ज्यादातर खत्म हो चुके हैं। भाजपा ने उन्हें विभाजन, दलबदल या ऑपरेशन लोटस के जरिये खत्म कर दिया है। भाजपा से हारकर कोई क्षेत्रीय दल बच नहीं सका। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शायद अपनी विचारधारा के साथ जीवित रहे लेकिन तमिलनाडु में भाजपा का वजूद ही नहीं है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है। उनके प्रतिद्वंद्वी वाईएस जगन मोहन रेड्डी की युवजन श्रमिक रैयतु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) भी भाजपा से नहीं लड़ेगी।

इंडिया ब्लॉक के कई सहयोगी दल या तो खत्म हो चुके हैं, टूट चुके हैं या छटपटा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास भविष्य के लिए चुनौती भी है और अवसर भी। क्या वह भाजपा को ललकारने वाली इकलौती पार्टी बनने का साहस कर सकती है? कांग्रेस के पास 21 प्रतिशत वोट का स्थायी बैंक है। भाजपा को 2024 में लगभग 37 प्रतिशत वोट मिले। कांग्रेस को 37 प्रतिशत तक पहुंचने की जरूरत नहीं है। यदि वह केवल 5 प्रतिशत और जोड़ ले तो भाजपा का खेल बिगाड़ सकती है। माना जा सकता है कि इनमे से ज्यादातर वोट भाजपा से ही आएंगे क्योंकि कांग्रेस के साथ मुकाबलों में भाजपा ही सबसे सफल रही है। भाजपा के वोट 30-32 प्रतिशत रह गए तो उसकी सीटें 200 तक सिमट जाएंगी। तब भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिल्कुल अलग होगा। हालांकि यह बात केवल कहने के लिए है मगर भाजपा इससे पूरी तरह वाकिफ है। यही कारण है कि प्रतिद्वंद्वी चाहे तृणमूल हो, बीजू जनता दल हो या वाईएसआरसीपी, उसकी दुश्मन कांग्रेस ही रहती है। चूंकि हम सैद्धांतिक बात कर रहे हैं, इसलिए जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा जुलाई 2026 में प्रकाशित 'जर्नल ऑफ डेमोक्रेसी' में छपा राजनीति विज्ञानी एडगर सार और पेलिन आयन मुसिल का लेख पढ़ें।

-धनंजय राजौरा

आयुष्मान भारत योजना में मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान

बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को बेस्ट परफार्मिंग लार्ज स्टेटङ्क हाइयेस्ट प्री-ऑथोराइजेशंस विथ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान योजना के अंतर्गत बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन प्रक्रिया के प्रभावी, पारदर्शी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश ने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के बड़े राज्यों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, तकनीक आधारित सुशासन और जनहितकारी कार्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की पूरी टीम, जिला अधिकारियों, चिकित्सालयों और योजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव द्वारा आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अरविंद शाह को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल, संयुक्त सचिव श्री किरण गोपाल वास्का सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं यूआईडीएआई (आधार) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शॉपिंग कंपलेक्स का निर्माण गुणवत्ता के साथ किया जाए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बालागंज परिसर में शॉपिंग कंपलेक्स का निर्माण गुणवत्ता के साथ किया जावे, पूर्व की जीर्णशीर्ण दुकानों की मरम्मत के लिए प्राक्कलन तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करें उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने बालागंज शिक्षा विकास समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। सोमवार को आयोजित बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीति संघवी, पीआईयू के जिला कार्यक्रम अभियंता श्री रिंकू चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिन्ज, सहायक जिला परियोजना प्रशासक श्री लोकेंद्र डाबी, नगर पालिका अधिकारी श्री प्रेम कुमार सुमन, लोक निर्माण विभाग के सहायक यंत्री आदि उपस्थित थे

बैठक में कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने निर्देशित किया कि बालागंज स्कूल परिसर में उपलब्ध मैदान को बालिकाओं के लिए हॉकी मैदान के रूप में विकसित किया जाएगा यहा पर एथलेटिक्स सुविधाएं भी रहेगी। हॉकी मैदान के लिए कलेक्टर ने पीआई यू के अधिकारी को प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश भी दिए। मैदान आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण रहेगा।

बताया गया कि काला खेत स्थित बालागंज स्कूल परिसर में 70 दुकाने निर्मित की जा रही है जिनकी नीलामी के लिए तिथि शीघ्र निर्धारित की जाएगी इसके अलावा पूर्व में निर्मित दुकानों में से 15 दुकानों को जीर्णशीर्ण होने के कारण पुनः निर्मित किया जाएगा जिनकी नीलामी बाद में होगी कलेक्टर ने निर्देश दिए कि परिसर में पूर्व निर्मित तथा आवंटित दुकानों को यदि दुकानदारों द्वारा अपने अधिपत्य में नहीं लिया गया है तो उन दुकानदारों को नोटिस जारी किए जाएं अन्यथा की स्थिति में उन दुकानों की पुनः नीलामी की जाएगी, निलामी प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ होगी। नवीन निर्माण के संबंध में कलेक्टर द्वारा सख्ती से निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता पूर्वक निर्माण के साथ-साथ समिति द्वारा निर्धारित नक्शे के अनुसार ही निर्माण सुनिश्चित किया जाए नवीन निर्मित होने वाली दुकानों के आवंटन में उन दुकानदारों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनके द्वारा कुछ किस्ते जमा कर दी गई हो। बैठक में कलेक्टर द्वारा परिसर के बाहरी हिस्से के निर्माण हेतु भी प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए।

गोरखनाथ आश्रम के संत पर हमले से संत समाज में आक्रोश, एसपी कार्यालय पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद स्थित श्री गोरखनाथ आश्रम के संत मोजनाथ उर्फ सुखलाल के साथ हुई कथित जानलेवा मारपीट की घटना को लेकर सोमवार को जिलेभर के संत समाज में भारी आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में संत, महंत एवं समाजजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के विरुद्ध तत्काल एवं कठोर कार्रवाई की मांग की।

संत समाज के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि संत मोजनाथ पर सुनियोजित तरीके से जानलेवा हमला किया गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग लंबे समय से आश्रम एवं मठ की भूमि पर कब्जा करने की नीयत से विवाद खड़ा कर रहे हैं। विरोध करने पर संत के साथ मारपीट की गई और उन्हें जान से मारने की धमकियां भी दी गईं।

प्रतिनिधियों ने कहा कि इस घटना ने धार्मिक स्थलों और संतों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संत समाज की प्रमुख मांगें- घटना में शामिल सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी।

गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जाए।

संत मोजनाथ को सुरक्षा प्रदान की जाए।

पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

एसपी कार्यालय परिसर में बड़ी संख्या में संतों और समाजजनों की मौजूदगी के चलते माहौल गंभीर बना रहा। इस दौरान संत समाज ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस द्वारा निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा तथा लोकतांत्रिक तरीके से आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

एसपी ने दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा- पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत एवं उचित कार्रवाई की जाएगी।

समयावधि मे किए जाने वाले कार्यो के निराकरण की समीक्षा आयुक्त ने की

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार 20 जुलाई को आयुक्त दलीप कुमार ने समयावधि पत्रों व सीएम हेल्प लाईन मे प्राप्त शिकायतों की समीक्षा निगम बैठक हाल में की। पीएम स्वनिधि योजना अन्तर्गत हितग्राहियों को मिलने वाले लाभ हेतु आवेदनों के साथ क्रेडिट कार्ड, श्रमयोगी मानधन योजना के आवेदनों की संख्या में ओर प्रगति लाने के साथ संबल योजना के लंबित आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए वहीं ईकेवायसी में प्रगति लाने हेतु कहा।

सडकों पर विचरण करने वाले आवारा मवेशियों को पकडकर गौशाला छोडने तथा गौशाला में भुसे एवं पीने के पानी की व्यवस्था की जानकारी ली। इसी प्रकार आयुक्त ने मुक्तिधाम पर भी पर्याप्त मात्रा में लकडी, कंडे की व्यवस्था पर्याप्त रहे के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। अमृत हरित अभियान के अन्तर्गत किये गये पौधारोपण एवं जीओ टेक की जानकारी ली तथा अन्य स्थानों पर पौधारोपण किये जाने हेतु उद्यान विभाग प्रभारी को कहा।

आयुक्त ने अवैध से वैध नल कनेक्शनों की जानकारी लेते हुए उपयंत्रियों को कार्य मे प्रगति लाने हेतु निर्देश दिए साथ ही सीवरेज कनेक्शन पर फोकस दिए जाने हेतु कहा। जर्जर भवनों के स्वामित्वों को अंतिम नोटीस दें, स्वयं नही तोडते हैं तो जर्जर भवनों को तोडने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एबी रोड पर ट्राफीक सुधार हेतु व्यवसाय के लिए किए गये अस्थाई अतिक्रमणों को हटाने के साथ ही गंदगी फैंलाने पर कार्रवाई करने के निर्देश रिमूव्हल गेंग प्रभारी को दिए।

आयुक्त ने कहा कि सीवरेज लाईन से जुडने वाली नालियों के स्थानों का चयन करें, ऐसे स्थानों पर चेम्बर बनाकर जाली लगाने के निर्देश सहायक यंत्री जगदीश वर्मा एवं सौरभ त्रिपाठी को दिए। समयावधि वाली सडकों में जो सुधार होना है के साथ चेम्बरों का लेबल भी ठेकेदार से कराने के निर्देश सहायक यंत्री श्री त्रिपाठी को दिए। नई सडकों के निर्माण मे गुणवत्ता के साथ सीवरेज चेम्बरों के लेबल का विशेष ध्यान रखने हेतु आयुक्त ने सभी उपयंत्रियों को कहा। विद्युत खपत को मेन्टेन रखने के लिए पम्पों की एफीसिएनसी (दक्षता) पर फोकस करने हेतु विद्युत उपयंत्रियों को निर्देश दिए।

पीएमएवाय अन्तर्गत लाभ लेने वाले हितग्राहियों की लंबित जीओ टेकिंग के निराकरण समय सीमा मे करने हेतु उपयंत्रियों को कहा। तथा नई कालोनी निर्माण में रहवासियों से कालोनी रहवासी संघ बनाये जाने की जानकारी कालोनी सेल के रणजीतसिंह पंजाबी से लेते हुए कम्पांउडिंग के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

एमजी रोड की जानकारी लेते हुए आयुक्त ने जनता बैंक से सुभाष चौक तक सडक पर जमी मिट्टी साफ करवाने के निर्देश उपयंत्री श्याम सुन्दर रघुवंशी को दिए।

स्वच्छता बनी रहे इस हेतु खुले प्लाटों को कव्हर करने के साथ ही साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिए जाने के साथ ही सीवरेज कनेक्शनों में प्रगति लाने हेतु सभी स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देशित किया।

इसी प्रकार टी.एल.में प्राप्त शिकायतों मे नाला सफाई, अस्थाई अतिक्रमण, आवार श्वानों को पकडने, खुले नालों मे सुधार, वार्ड 7 मे चेम्बर सुधारने, वार्डो में जाने वाले कचरा संग्रहण वाहनों के समय मे सुधार के साथ सीएम हेल्प लाईन मे प्राप्त शिकायतों का निराकरण समय सीमा मे किए जाने के निर्देश दिए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक सवार घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र में ग्राम दूधाना के पास सोमवार दोपहर करीब 2 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहन बड़ोदिया पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घायल की पहचान डांगीचा निवासी श्याम पाल पुत्र रमेश चंद्र (35) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह बाइक से जा रहा था, तभी ग्राम दूधाना के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर डायल-112 के पायलट संतोष मालवीय और थाना स्टाफ के सत्यनारायण यादव मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सीएचसी मोहन बड़ोदिया पहुंचाया गया। डाक्टरों के अनुसार युवक के होंठ और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिससे वह स्पष्ट रूप से बोल नहीं पा रहा है। बेहतर उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।

बांस के सहारे रोशन हो रही द्वारकापुरी कालोनी, लंबे समय से हो रही शिकायत, नहीं हुआ समाधान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के वार्ड क्रमांक-25 स्थित द्वारकापुरी कालोनी में बिजली व्यवस्था बदहाल है। यहां बिजली के पोल नहीं होने से तारों को बांस के सहारे लटकाकर बिजली सप्लाई की जा रही है। इसे लेकर रहवासी कई बार शिकायत भी कर चुके हैं ओर नाराजगी भी जता चुके हैं लेकिन जिम्मेदारों ने कोई कदम नहीं उठाया। नतीजन सोमवार को मूलीखेड़ा रोड पर कई बिजली के तार सड़क पर गिर गए। गनीमत रही कि उस समय कोई राहगीर इसकी चपेट में नहीं आया।

यहां रहने वाले लोगोंने बताया कि वे इस समस्या की शिकायत 5 से 6 बार जनसुनवाई में कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। कालोनी में पक्की सड़क बनने के बावजूद बिजली व्यवस्था अस्थायी इंतजामों के भरोसे चल रही है। रहवासी अनिल पाटीदार ने बताया कि एक ही बांस के सहारे कई बिजली की केबल बांधी गई हैं। बारिश के दौरान तार टूटकर सड़क पर गिर रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उनका आरोप है कि रविवार को तार गिरने के बाद भी बिजली कंपनी ने कोई सुधार कार्य नहीं किया।

बिजली के मामले में पिछड़ रहा शहर- बिजली कंपनी के लापरवाहीपूर्ण रवैये से द्वारकापुरी कालोनी ही नहीं बल्कि पूरा शहर परेशान है। इनके द्वारा हर साल मेंटेनेंस किया जाता है ताकि बारिश में समस्या न हो, लेकिन सबसे ज्यादा समस्या भी बारिश के दिनों में ही आती है। इनके द्वारा किया गया मेंटेनेंस हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी फ्लॉप शो साबित हुआ। यही नहीं अभी भी बिजली कंपनी द्वारा दिन रात बेतहाशा कटौती की जा रही है। जबकि इन दिनों गर्मी से लोगों का बुराहाल हो रहा है, लेकिन बिजली कंपनी की लापरवाही से बाज नहीं आ रही है। सोमवार को भी दिन में कई बार कटौती की गई। सबसे बड़ी समस्या ये है कि इनके अधिकारी लोगों की समस्या सुनने को तैयार ही नहीं है। क्योंकि अधिकारी पहले तो फोन नहीं उठाते और जब ज्यादा कॉल हो जाती है तो मोबाइल बंद कर लेते हैं।

कहीं झमाझम तो कहीं मामूली बूंदाबांदी भी नहीं

आधे शहर में फिर हुई वर्षा तो आधा शहर रहा सूखा, उमस से हुआ बुरा हाल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सोमवार शाम को झमाझम बारिश हुई, जिससे पिछले 10 दिनों से गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। हालांकि यह राहत कुछेक क्षेत्रों में ही बरसी जबकि आधे से ज्यादा क्षेत्र सूखे रहे जहां मामूली बूंदाबांदी के बाद उमस से लोगों का बुरा हाल होने लगा।

शाम करीब 5.30 बजे मौसम में अचानक बदलाव आया और आसमान में घने बादल छा गए। जिले के कई हिस्सों में लगभग 20 मिनट तक तेज बारिश हुई, जिससे मौसम सुहाना हो गया। जबकि आधे से ज्यादा शहर बारिश के मामले में सूखा रहा। जहां दिनभर तेज धूप का सामना करने के बाद उनके हिस्से 5 मीनिट के लिए हुई बूंदाबांदी ही आई। हालांकि मौसम विभाग द्वारा देर शाम को तेज बारिश की संभावना जताई गई है। इसके पूर्व रविवार को भी जिले के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हुई थी, लेकिन उसके बाद फिर उमस बढ़ गई थी। सोमवार की शाम की बारिश ने किसानों को भी राहत दी है, क्योंकि सोयाबीन सहित खरीफ फसलों को इस समय नमी की सख्त आवश्यकता है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि सोमवार को अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में आर्द्रता 56 प्रतिशत रही और पश्चिमी दिशा से औसतन 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। उनके पूर्वानुमान के अनुसार, शाजापुर जिले में सोमवार और मंगलवार की शाम व रात में हल्की वर्षा तथा पड़ोसी आगर जिले में मध्यम वर्षा की संभावना है।

कहां कितनी हुई बारिश- जानकारी के अनुसार जिले में 1 जून से 19 जुलाई तक औसतन 10.62 इंच वर्षा दर्ज की गई है। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार, शाजापुर में 10.35 इंच, मोहन बड़ोदिया में 11.18 इंच, शुजालपुर में 10.23 इंच, कालापीपल में 9.29 इंच, गुलाना में 10.90 इंच, पोलायकला में 12.38 इंच और अवंतीपुर बड़ोदिया में 10.23 इंच वर्षा दर्ज की गई है।

कृषि वैज्ञानिकों ने दी किसानो को सलाह - बारिश की अनियमित्ता व फसलों पर छाए संकट से बचाने के लिए कृषि विभाग ने सोयाबीन फसलों के लिए किसानों को खरपतवार नियंत्रण और कीट प्रबंधन को लेकर सलाह जारी की है। विभाग ने बताया कि बुआई के बाद शुरुआती 45 दिनों तक फसल को खरपतवार मुक्त रखना महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, तना मक्खी, तंबाकू की इल्ली और सेमीलूपर जैसे कीटों के प्रकोप की संभावना को देखते हुए खेतों का नियमित निरीक्षण करने की सलाह दी गई है। किसानों को केवल कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र की अनुशंसा के अनुसार ही कीटनाशकों का प्रयोग करने को कहा गया है, ताकि फसल को नुकसान से बचाया जा सके।

रातभर दहशत में रहे अपराधी, 300 पुलिसकर्मी-अधिकारी उतरे सड़क पर, बदमाशों को किया गिरफ्तार, होटल, लॉज पर रखी नजर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एसपी प्रियंका शुक्ला के निर्देशन व एएसपी के मार्गदर्शन में पुलिस ने रातभर अपराधियों की धरपकड़ का अभियान चलाया। इस अभियान में 300 से अधिक पुलिसकर्मी व अधिकारी शामिल हुए। वहीं खुद एसपी प्रियंका शुक्ला रातभर टीमों व थानों का निरीक्षण करती रही। जिसके चलते पूरे जिले में व्यापक और प्रभावी काम्बिंग गश्त की गई।

अभियान में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं 300 से अधिक पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। गश्त पर रवाना होने से पूर्व पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं ब्रीफिंग प्रदान की गई। अभियान के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं विभिन्न थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर पूरी रात अभियान की निगरानी करते हुए पुलिस टीमों का मार्गदर्शन किया। जिसमें पुलिस को सफलता मिली और पुलिस ने जिला बदर आरोपी अजहर पिता मुस्ताक खा (28) निवासी ज्योति नगर को बस स्टैंड से गिरफ्तार किया। इसके अलावा इस कांबिंग गश्त के दौरान 48 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। 102 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। 06 जिला बदर अपराधियों का सत्यापन एवं जांच की गई। वहीं 68 गुंडा बदमाशों एवं 94 निगरानीशुदा बदमाशों की सघन चेकिंग की गई। 01 फरार वारंटी को गिरफ्तार किया गया। आबकारी अधिनियम के तहत भी पुलिस द्वारा 05 प्रकरण दर्ज किए गए। पुलिस ने 35 होटल, लाज, ढाबों एवं धर्मशालाओं की भी सघन जांच की। तो गश्त के दौरान बैंक, एटीएम एवं अन्य संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता एवं निगरानी रखी गई।

बदमाशों के ठिकानों पर भी पहुंची पुलिस- काम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने सक्रिय अपराधियों, जेल से रिहा हुए बदमाशों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के निवास एवं संभावित ठिकानों पर पहुंचकर उनकी गतिविधियों का सत्यापन किया। साथ ही उन्हें स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान के अंतर्गत गुंडा, निगरानीशुदा एवं हिस्ट्रीशीटर बदमाशों के रिकार्ड का अद्यतन कर उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की गई, जिससे अपराधों की प्रभावी रोकथाम एवं जिले में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनी रहे।

जारी रहेगा अभियान, कठोर कार्रवाई हमारी प्राथमिकता- एसपी प्रियंका शुक्ला ने जिलेवासियों को संदेश देते हुए बताया कि पुलिस जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। अपराधियों पर सतत निगरानी एवं उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार के विशेष अभियान निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे।

बस स्टैंड क्षेत्र में घूम रहा था जिला बदर आरोपी, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना पुलिस ने जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अजहर खान को रविवार शाम बस स्टैंड क्षेत्र से पकड़ा गया, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया और वहां से जेल भेज दिया गया। उस पर पूर्व में विभिन्न थानों में पांच आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। रविवार देर रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जिला बदर आरोपी अजहर पिता मुश्ताक खान (28) निवासी ज्योतिनगर स्थानीय बस स्टैंड क्षेत्र में घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर लालघाटी थाना पुलिस ने बस स्टैंड गड्डा क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 एवं 15 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। प्रशासन ने उसके आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए 29 दिसंबर 2025 को उसे जिला बदर किया था। सोमवार शाम आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां गिरफ्तारी वारंट तामील होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस रिकार्ड के अनुसार अजहर के विरुद्ध लालघाटी और कोतवाली थानों में मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा, आर्म्स एक्ट, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) सहित कुल पांच प्रकरण दर्ज हैं।

उदयपुर अस्पताल में दुर्घटनाओं में भर्ती मरीज की मृत्यु पर शव सुपुर्दगी हेतु एमपी पुलिस को बुलाना असंगत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर एक महत्वपूर्ण विषय पर ध्यानाकर्षण करवाया है। श्री सिसौदिया ने पत्र में लिखा कि विषय अति संवेदनशील है, मैं आपका ध्यान इस और आकर्षित करना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश के मंदसौर और नीमच जिले से अनेक ऐसे मरीज जो दुर्घटना, मारपीट, जहरीला पदार्थ खा लेने आदि से संबंधित ÷एमएलसी प्रकरण दर्ज÷ व्यक्ति की उदयपुर के राजकीय सिविल चिकित्सालय में उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने पर अस्पताल प्रबंधन तब तक मृतक की डैड बॉडी परिवार के सदस्यों को नहीं देता है, जब तक की इन जिलों के पुलिस अधिकारी उदयपुर नहीं पहुंच जाए।

अस्पताल प्रबंधन ऐसे पुलिस अधिकारियों को बुलाकर ही डेड बॉडी देते हैं। यह प्रक्रिया, व्यवस्था पहले नहीं थी, पता नहीं क्यों इसे अपनाया जा रहा है।

जबकि ऐसे मामलों में एमएलसी बनती है, एफआईआर भी दर्ज होती है। मंदसौर और नीमच जिले से उदयपुर पहुंचने में लगभग 3 से 5 घंटे लग जाते हैं। ऐसे में अकारण विलंब होता है। पुलिस की अपनी और भी कर्तव्य तथा जिम्मेदारी रहती है। वीआईपी मूवमेंट, लॉ एन ऑर्डर, धार्मिक, राजनीतिक कार्यक्रमों, अपराधियों की धरपकड़ आदि में व्यवस्थाएं रहती ही है। ऐसे में उदयपुर अस्पताल प्रबंधन यह अपेक्षा करता है कि पुलिस अधिकारी तुरंत आ जाए। इन व्यवस्थाओं के चलते यदि पुलिस प्रशासन की व्यस्तता रहेगी, तो क्या होगा? मैं आपको यह भी अवगत कराना चाहता हूं कि मंदसौर जिला चिकित्सालय में यदि ऐसे प्रकरण जो एमएलसी से संबंधित होते हैं और भर्ती मरीज राजस्थान का निवासी होता है और किसी की मृत्यु हो जाती है, तो हमारे यहां से राजस्थान की पुलिस को नहीं बुलाए जाता है।

मां नर्मदा को चुनरी ओढ़ाने 400 भक्तों का जत्था रवाना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ओंकारेश्वर महोदव के लिए सोमवार को 15वीं चुनरी यात्रा रवाना हुई। जो अच्छी बारिश, विश्व शांति और जनकल्याण की कामना से मां नर्मदा को 551 फीट लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। इस यात्रा में करीब 400 श्रद्धालु शामिल हुए।

जोबट में उमड़ा पत्रकारों का महासागर : एआईजे का 600वाँ विराट पत्रकार महासमागम एवं पत्रकार कल्याण समारोह ऐतिहासिक रूप से संपन्न

650 से अधिक पत्रकारों की ऐतिहासिक सहभागिता, निर्भीक पत्रकारिता का संकल्प; वरिष्ठ पत्रकार 'वीर पत्रकार भूषण सम्मान' से अलंकृत

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आदिवासी अंचल जोबट ने रविवार को भारतीय पत्रकारिता के इतिहास का एक गौरवपूर्ण अध्याय लिखा। एसोसिएशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट (एआईजे) के तत्वावधान में जिला इकाई आलीराजपुर द्वारा आयोजित 600वाँ विराट पत्रकार महासमागम, पत्रकार सम्मान एवं पत्रकार कल्याण समारोह श्री रिसॉर्ट गार्डन, खट्टाली रोड, जोबट में अभूतपूर्व गरिमा, अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

इस विराट महासमागम में पधारें 650 से अधिक पत्रकारों, संपादकों, ब्यूरो प्रमुखों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं संगठन पदाधिकारियों की ऐतिहासिक उपस्थिति ने इस आयोजन को राष्ट्रीय पत्रकारिता के सबसे बड़े आयोजनों में स्थान दिलाया। विशाल परिसर पत्रकारों की उपस्थिति से खचाखच भरा रहा और पूरा वातावरण पत्रकार एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा निर्भीक पत्रकारिता के संकल्प से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन, दीप प्रज्वलन, पुष्पवर्षा एवं अतिथियों के माल्यार्पण से हुआ। आकर्षक मंच सज्जा, सुव्यवस्थित आयोजन और पत्रकारों के उत्साह ने समारोह को एक भव्य राष्ट्रीय महोत्सव का स्वरूप प्रदान किया।

एआईजे केवल संगठन नहीं, पत्रकारों के सम्मान और कल्याण का राष्ट्रीय अभियान - विक्रम सेन

स्वागत उद्बोधन देते हुए एआईजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सेन ने देशभर से पधारे पत्रकारों एवं अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि एआईजे केवल एक संगठन नहीं, बल्कि पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, अधिकार और स्वाभिमान को समर्पित राष्ट्रीय अभियान है।

उन्होंने बताया कि आज एआईजे 24 राज्यों एवं 650 से अधिक जिलों में सक्रिय संगठनात्मक उपस्थिति के साथ पत्रकारों एवं उनके परिवारों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। संगठन का उद्देश्य केवल सम्मान समारोह आयोजित करना नहीं, बल्कि पत्रकारों के जीवन से जुड़ी वास्तविक समस्याओं–स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं आर्थिक सहयोग–के लिए स्थायी व्यवस्थाएँ विकसित करना है।

सच को दबाया जा सकता है, समाप्त नहीं किया जा सकता-जीतू सोनी

मुख्य अतिथि एवं लोकस्वामी समूह के प्रधान संपादक श्री जीतू सोनी ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता का सबसे बड़ा दायित्व सत्य की पहचान कर उसे निर्भीकता से समाज के सामने रखना है।

उन्होंने कहा कि आज झूठ कई बार सच का आवरण धारण कर लेता है और जो पत्रकार उसके विरुद्ध खड़ा होता है, उसे विरोध, अपमान और दमन का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा, इस दौर में एक अखबार निकालना प्रसव पीड़ा से भी अधिक दर्दनाक हो गया है।

अपने संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा मैं सच लिखता रहा हूँ, सच लिख रहा हूँ और मरते दम तक सच लिखता रहूँगा।

उन्होंने आगे कहा, मेरी कलम कभी झूठ नहीं बोलती। मेरी कलम जब सच बोलती है, तो कई लानतें मुझ पर चिपक जाती हैं।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सच के आईने को तोड़ा जा सकता है, लेकिन सच को समाप्त नहीं किया जा सकता।

श्री सोनी ने एक आह्वान पर 700 से अधिक पत्रकारों की ऐतिहासिक उपस्थिति को एआईजे की संगठनात्मक शक्ति बताते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन एवं एआईजे संगठन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

तथ्यपरक एवं मुद्दा आधारित पत्रकारिता ही सबसे बड़ी शक्ति – पुष्पेंद्र वैद्य

जी न्यूज मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार श्री पुष्पेंद्र वैद्य ने कहा कि

एआईजे आज सदस्य संख्या और सक्रियता की दृष्टि से देश ही नहीं, विश्व के प्रमुख पत्रकार संगठनों में अपनी पहचान बना चुका है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया एवं यूट्यूब जैसे मंचों ने स्वतंत्र पत्रकारिता को नई दिशा दी है, किन्तु इन माध्यमों की सार्थकता तभी है जब समाचार तथ्यों, प्रमाणों, निष्पक्षता और जिम्मेदारी पर आधारित हों।

उन्होंने पत्रकारों से जनहित, तथ्यपरक एवं जिम्मेदार पत्रकारिता का संकल्प लेने का आह्वान किया।

ग्रामीण पत्रकार ही पत्रकारिता के वास्तविक प्रहरी – क्रांति चतुर्वेदी

नवभारत समूह के समूह संपादक एवं एआईजे के संरक्षक श्री क्रांति चतुर्वेदी ने कहा कि गाँवों और दूरस्थ अंचलों में सीमित संसाधनों के बीच कार्य करने वाले पत्रकार ही वास्तविक अर्थों में पत्रकारिता के प्रहरी हैं।

उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी, आर्थिक चुनौतियों और स्थानीय दबावों के बावजूद ग्रामीण पत्रकार समाज की आवाज बनकर जनहित के मुद्दे उठाते हैं। यही पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति है।

पत्रकार लोकतंत्र की रीढ़ हैं – एसपी रघुवंश सिंह

आलीराजपुर पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की रीढ़ हैं। निष्पक्ष एवं प्रमाण आधारित पत्रकारिता शासन और समाज दोनों को जवाबदेह बनाती है तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करती है।

पत्रकार अपनी कलम की ताकत स्वयं पहचानें – तेजकुमार सेन

वरिष्ठ पत्रकार श्री तेजकुमार सेन ने प्रेरक संबोधन में कहा– हनुमानजी को उनकी शक्ति का अहसास कराने जामवंत आए थे, लेकिन पत्रकारों को अपनी कलम की शक्ति स्वयं पहचाननी होगी।

उन्होंने कहा कि जो पत्रकार जनहित के मुद्दों को निर्भीकता से उठाएगा, उसके पीछे समाज स्वयं खड़ा होगा।

जोबट में पत्रकारों की ऐतिहासिक उपस्थिति अविस्मरणीय – विशाल रावत

कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता श्री विशाल रावत ने कहा कि आदिवासी अंचल जोबट में एक साथ सैकड़ों पत्रकारों का जुटना अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का सम्मान लोकतंत्र और जनचेतना का सम्मान है।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री राहुल भाई , श्री अरविंद कनेश, युवा समाजसेवी श्री नितेश अग्रवाल तथा आदिवासी समाज में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने वाले समाजसेवी नेता श्री नितेश अलावा का भी विशेष सम्मान किया गया।

पत्रकारों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए एआईजे की ऐतिहासिक पहल

महासमागम का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय पत्रकारों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु लिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन की पहल पर 34 वा सेवा अनुबंध हुआ।

एसएमएस हॉस्पिटल, वडोदरा

संजीवनी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, बड़वानी के साथ सेवा अनुबंध घोषित किए गए, जिनके अंतर्गत एआईजे से जुड़े पत्रकारों, उनके परिजनों, रिश्तेदारों एवं परिचितों को उपचार एवं चिकित्सा सेवाओं पर 30 प्रतिशत तक विशेष रियायत उपलब्ध कराई जाएगी।

संजीवनी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, बड़वानी की डायरेक्टर डॉ. रश्मि पाटीदार ने भी एआईजे सदस्यों एवं उनके परिवारों के लिए विभिन्न उपचारों एवं अस्पताल बिलों पर 30 प्रतिशत तक विशेष रियायत देने की घोषणा की। आईसीयू शुल्क मात्र 1500 रुपए प्रतिदिन सहित विभिन्न राहत की घोषणा भी डॉ रश्मि पाटीदार ने की।

अस्पताल में 24म7 आपातकालीन सेवा, सीटी स्कैन, डायलिसिस, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, न्यूरो साइंस, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, हड्डी एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट, ईएनटी सहित अनेक आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

एसएमएस हॉस्पिटल, वडोदरा के - डायरेक्टर डॉ. मृदंग भावसार ने बताया कि अस्पताल में कार्डियक सर्जरी, कैथलैब, ट्रॉमा, आईसीयू, डायलिसिस, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, कैंसर उपचार, स्पाइन सर्जरी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सहित अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

उन्होंने घुटना प्रत्यारोपण एवं हार्ट ऑपरेशन, ओपीडी, ऑपरेशन, चिकित्सक शुल्क, दवाइयों एवं अन्य चिकित्सा सेवाओं पर पत्रकार जगत के लिए 30 प्रतिशत तक सामान्य शुल्क पर विशेष छूट की घोषणा की। साथ ही अस्पताल में बिटिया के जन्म पर कोई शुल्क नहीं लेने की भी घोषणा की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन और प्रदेश अध्यक्ष राकेश साहू ने दोनों अस्पतालों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारों के स्वास्थ्य की सुरक्षा एआईजे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह पहल पत्रकार कल्याण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

वीर पत्रकार भूषण सम्मान से सम्मानित हुए वरिष्ठ पत्रकार- समारोह में इंदौर संभाग एवं विभिन्न क्षेत्रों के चयनित वरिष्ठ एवं जनहितैषी पत्रकारों को वीर पत्रकार भूषण सम्मान, उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान, गोल्ड मेडल, सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं पुष्पमालाओं से अलंकृत किया गया।

सम्मानित प्रमुख पत्रकारों में पुष्पेंद्र वैद्य, तेजकुमार सेन, प्रदीप क्षीरसागर, जैद अहमद शेख, शैलेंद्र पंवार, वीरेंद्र जैन, शाहनवाज शेख, निलेश जैन, श्याम कुशवाहा, इशाक मंसूरी, फिरोज खान, रामेश्वर गुप्ता, आमिर शेख, जगराम विश्वकर्मा, वाजिद अली कुरैशी, हेमंत गर्ग, अंसार खान, संदीप कुशवाह, ओवेश अहमद एवं गौरव चौधरी सहित अनेक पत्रकार शामिल रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन, संदीप जैन, राकेश साहू, पं. मनोहर मंडलोई, नितेश वर्मा, प्रकाश पड़ियार, राजेश नाहर, वासुदेव वाणी, आशीष वाणी, तरुण जैन, फरीद शेख, मुकेश जैन, तुषार राठौड़, सादिक चन्देरी, फिरोज पठान, रफीक खान, एवं तिलक राज सेन ने अतिथियों एवं सम्मानित पत्रकारों को स्मृति-चिह्न भेंट किए।

राष्ट्रीय पदाधिकारी रहे मंचासीन- समारोह में राष्ट्रीय संरक्षक किशोर दग्गी, राष्ट्रीय महासचिव पं. मनोहर मंडलोई, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह जादौन, रविन्द्र नेरकर, अजीजुद्दीन शेख, प्रदेश अध्यक्ष राकेश साहू, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शाहनवाज शेख, प्रदेश संयोजक राजेश नाहर एवं आमिर शेख, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र पाटिल, स्टेट वर्किंग प्रेसिडेंट वीरेंद्र सिंह ठाकुर एवं राजेंद्र देवराय, प्रदेश महासचिव जावेद खान, नेशनल प्रेसिडेंट हेल्थ एंड एजुकेशन विंग निर्मल सोलंकी, प्रदेश उपाध्यक्ष मांगीलाल कुशवाह तथा वूमेन विंग की स्टेट प्रेसिडेंट सुश्री तनवीर खान , साजिद भाई आनंद, हंसराज पाड़वी, सहित अनेक राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी मंचासीन रहे।

संगठन के कार्यकर्ताओं का रहा महत्वपूर्ण योगदान - आयोजन की सफलता में जिला अध्यक्ष वासुदेव वाणी के नेतृत्व में तरुण जैन, फरीद शेख, मनीष जैन, काशीनाथ भंडारी, रफीक कुरैशी, आशीष वाणी, तुषार राठौड़, फ़िरोज़ पठान, भरत आंजना, अशोक माँझी, सुनील वर्मा, नवीन सेन, विक्रम डाबी, आदित्य राज धाकड़, संकित तलेरा, दिलावर खान, प्रकाश भावसार, प्रकाश पड़ियार, मुन्ना जैन, रफीक खान, नितेश वर्मा, फिरोज पठान, खलील मंसूरी, आशिफ शेख, कन्हैया राय, मांगीलाल वर्मा, दिलीप सिंह भूरिया, असलम मकरानी, अशोक राठौड़, मयंक विश्वकर्मा, देवेंद्र वाणी, विवेक गुप्ता, बिलाल खत्री, अनिल जैन, राकेश सेन, जयप्रकाश सेन, विक्रम चौधरी, रवि शिमले, आजाद अग्निहोत्री, सुरेन्द्र सेन, विश्वनाथ सेन, सुनील पाटिल, संदीप वर्मा, राजू धानक सहित समस्त एआईजे कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन श्री अनीस शेख ने किया। अंत में प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश साहू ने सभी अतिथियों, पत्रकारों, सहयोगियों एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया।

समारोह के उपरांत आलीराजपुर जिला इकाई के अध्यक्ष श्री वासुदेव वाणी, आशीष वाणी की टीम द्वारा सभी पत्रकारों एवं अतिथियों के लिए विशेष सहभोज का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों को विशिष्ट गोल्ड मेडल, सम्मान-पत्र, स्मृति-शील्ड एवं आकर्षक पुष्पमालाओं से सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक महासमागम ने यह संदेश दिया कि संगठित, तथ्यपरक, निर्भीक और जनपक्षीय पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है तथा पत्रकारों के सम्मान और कल्याण के लिए एआईजे का राष्ट्रीय अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।

थाना झारडा पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास के आरोपी को किया गिरफ्तार

थाना झारडा पुलिस द्वारा ग्राम गोगाखेडा में हत्या के प्रयास के आरोपी को आरोपीयो को झारडा पुलिस ने किया गिरफ्तार

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री प्रदीप शर्मा जिला उज्जैन द्वारा जिले मे महिला संबंधी अपराध में आरोपीयो की धरपकड को प्राथमिकता दी जा रही है अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) आई.पी.एस. श्री करण दीप सिंह , एस.डी.ओ.पी. अनुभाग तराना श्री राहुल कुमार खरे के मार्गदर्शन में थाना झारडा के थाना प्रभारी उनि सुरेन्द्र सिंह गरवाल व टीम के द्वारा धारा हत्या के प्रयास में आरोपीयो को किया गिरफ्तार मुखबिर की सूचना पर से हमराह फोर्स के रवाना होकर ग्राम झारडा में थाना

हाजा के अपराध क्रं. 186/2026 के आरोपी तारोट रोड रावतखेडी फंटे के पास खडा हा जो कहीं भागने की फिराक में है मुखबिर की विश्वसनीय होने पर हमराह फोर्स को रवाना होकर रावतखेडी फंटा पर पहुंचे जहां पर एक व्यक्ती पेड की आड में खडा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने लगे जिनको हमराही फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकडा जिसका नाम धर्मेन्द्र गेहलोद पिता धारा सिंह जाति खारोल निवासी वेस्ट रेल्वे यार्ड बलसाड गुजरात को किया गिरफ्तार किया जिसकी तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस जप्त किया गए । आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा 2 दिन का पी. आर. दिया गया।

सराहनीय भूमिका- उनि सुरेन्द्र सिंह गरवाल थाना प्रभारी झारडा जिला उज्जैन, उनि दिग्विजय सिंह आंजना, सउनि व्ही पी सिंह परिहार , आर.261 नारायणसिंह कुशवाह, आर.1219 शुभकरणसिंह भदौरिया, आर.1864 मोहरसिंह ,1467 अनार सिंह ,आर.705 कन्हैया अहिरवार, आर.1297 सुनील जामलिया आर.1617 उत्तम रावत , आर.345 जयपाल , आर राजेंद्र गुर्जर,विश्वकर्मा , सैनिक 625 उपेंद्र सिंह परिहार सैनिक महेन्द्र सिंह की अहम भूमिका रही ।

महिदपुर ब्लॉक कांग्रेस से नव नियुक्त सचिव संजय शर्मा का बीसलखेड़ी मे किया गया सम्मान

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संजय शर्मा दैनिक मालवा हेरोल्ड महिदपुर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं संगठन सृजन के तहत विधानसभा क्षेत्र महिदपुर के विधायक श्री दिनेश जी जैन (बोस) की सहमति एवं महिदपुर ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश जी बगाना व जिला पंचायत सदस्य जीतेन्द्र जी मंडोरा कि अनुशंसा के आधार पर जिला कांग्रेस कमेटी उज्जैन (ग्रामीण) द्वारा ब्लॉक कार्यकारणी का गठन कर संजय शर्मा कि सचिव पद पर नियुक्ति कि गई ।

महिदपुर विधान सभा के बीसलखेड़ी गांव मे कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजाराम परमार, मदन परमार और सभी ग्राम वासियो द्वारा संजय शर्मा का साफा बांधकर व फूल माला पहनाकर श्रीफल भेंट किया गया उसके बाद डोल बजाकर गांव के मंदिर तक स्वागत यात्रा निकाली गई ।

मंदिर मे भगवान को प्रणाम करने के बाद नव नियुक्त सचिव संजय शर्मा द्वारा सभी ग्रामीणों को धन्यवाद दिया गया।

जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारी कर्मयोगी iGOT पोर्टल पर अपना पंजीयन कर प्रशिक्षण कोर्स पूर्ण करें - श्रीमती यादव

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी कर्मयोगी द्वत्रङ्ख पोर्टल पर अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से कराएं और निर्धारित प्रशिक्षण कार्य ऑनलाइन पूर्ण करें। साथ ही पंजीयन संबंधी जानकारी तत्काल प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष, आगर में जिला अधिकारियों की समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री सी.बी.एस. सोलंकी, एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती यादव ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग ए ग्रेड हासिल करें। ग्रेडिंग मा?ह की शिकायत सोमवार शाम तक संतुष्टिपूर्वक बंद करवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने नॉन-अटेंडेड शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एक भी शिकायत नॉन-अटेंडेड न रहे। सभी विभागों के अधिकारी अपनी शिकायतें स्वयं देखें और उनका ऑनलाइन निराकरण दर्ज करें। कलेक्टर ने नॉन-अटेंडेड शिकायत वाले तथा निम्न गुणवत्ता का निराकरण दर्ज करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करने के भी निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सीमांकन प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। सभी राजस्व अधिकारी स्वयं सीमांकन प्रकरण देखें और सुनिश्चित करें कि सभी सीमांकन प्रकरणों का सकारात्मक निराकरण हो। निर्देश के बावजूद सीमांकन प्रकरणों का सकारात्मक निराकरण न करने वाले पटवारी के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए।बैठक में कलेक्टर श्रीमती यादव ने सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र के निर्माणाधीन सभी आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का निर्माण कार्य एक माह में पूर्ण करवाकर कार्य पूर्णता एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र जारी करना सुनिश्चित करें।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का वाचन प्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित रमेशचंद्र अग्निहोत्री के श्रीमुख से होगा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुकताल धाम के प्राचीन एवं पवित्र सुखदेव आश्रम में 22 जुलाई से 28 जुलाई तक होने वाली सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का वाचन प्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित रमेशचंद्र अग्निहोत्री के श्रीमुख से होगा। इसी कथा के श्रवण और तीर्थ दर्शन के लिए बदनावर से श्रद्धालुओं का दल रवाना हुआ। यात्रा के शुभारंभ से पूर्व श्रद्धालुओं ने भगवान बैजनाथ महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

इसके बाद श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे, जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही श्री चिंतामणि गणपति एवं शक्ति पीठ मां हरसिद्धि के दर्शन कर धार्मिक यात्रा को और अधिक पावन बनाया। उज्जैन दर्शन के पश्चात

सभी श्रद्धालु स्लीपर कोच बस से उत्तर प्रदेश के पवित्र तीर्थ सुकताल धाम के लिए रवाना हुए।

सुकताल स्थित प्राचीन एवं पवित्र सुखदेव आश्रम में 22 जुलाई से 28 जुलाई तक सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन होगा। कथा का रसपान प्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित रमेशचंद्र अग्निहोत्री के श्रीमुख से कराया जाएगा। सात दिनों तक श्रद्धालु श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही पितृदेवताओं की शांति, सद्गति एवं मोक्ष की कामना से श्रीमद्भागवत का मूल पाठ एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न होंगे। 28 जुलाई को कथा के पूर्णाहुति समारोह के बाद श्रद्धालुओं का दल रात्रि में हरिद्वार के लिए प्रस्थान करेगा। इसके पश्चात हरिद्वार, गोकुल, मथुरा, बरसाना और वृंदावन सहित अनेक प्रमुख धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों के दर्शन कर श्रद्धालु अपनी पावन तीर्थ यात्रा पूर्ण करेंगे। श्रद्धालुओं में इस आध्यात्मिक यात्रा को लेकर विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

मल्हारगढ पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करी में फरार 2 आरोपियो को किया गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना प्रभारी मल्हारगढ निरीक्षक अनिल रघुवंशी के नेतृत्व में एनडीपीएस एक्ट में 02 फरार आरोपियो को पकडने में सफलता मिली है। घटना अनुसार दिनांक 16.07.26 को मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुवे पिपलिया विशन्या व ग्राम पहेडा के बीच पिपलिया विशन्या से एक बिना नंबर की सफेद रंग की अल्टो कार व आरोपी अरुण पिता समरथ चौहान उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम लसुडिया कदमाला को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से 05 कट्टो में भरा कुल 69.5 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा जप्त किया गया जाकर थाना मल्हारगढ पर अपराध क्रमांक 134/26 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौराने विवेचना गिरफ्तार आरोपी अरुण चौहान को अवैध मादक पदार्थ उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति भारत पिता कारुलाल चौहान उम्र 42 साल निवासी ग्राम लसुडिया कदमाला थाना मल्हारगढ़ तथा मादक पदार्थ खरीदने वाले व्यक्ति नरेश पिता बाबु बारिया उम्र 33 साल निवासी मेहन्दीखेड़ा थाना कल्याणपुरा जिला झाबुआ को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त हुई है।

उमरा यात्रा पर रवाना हुए वरिष्ठ पत्रकार मिर्जा मुबारिक बेग का नागरिकों ने किया भावपूर्ण स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर के वरिष्ठ पत्रकार जनाब मिर्जा मुबारिक बेग के 20 दिवसीय पवित्र उमरा यात्रा पर रवाना होने से पूर्व नगर के व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं पत्रकारों ने उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी गई और सफल, मंगलमय यात्रा की कामना की गई।

मिर्जा मुबारिक बेग के पुत्र हकीम भाई बेग ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पिता

भोपाल से मुंबई और वहां से जद्दा के लिए सीधी उड़ान के माध्यम से रवाना होंगे। लगभग 20 दिनों की इस धार्मिक यात्रा के दौरान वे पवित्र नगरी मक्का एवं मदीना में उमरा अदा करने के साथ ही विभिन्न पवित्र स्थलों की जियारत करेंगे।

इस अवसर पर मिर्जा मुबारक बेग ने कहा कि वे पवित्र स्थलों पर अल्लाह तआला से देश, प्रदेश एवं नगर में अमन, चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ करेंगे। उन्होंने सभी लोगों द्वारा दिए गए स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के लिए आभार भी व्यक्त किया।

स्वागत समारोह में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल मंडलोई, जामा मस्जिद के सदर अमीरउल्लाह पठान, मोहम्मद फारूक, आंचलिक पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष रमेश राजपूत, शेर अली भाई, अनिल शर्मा, राजमल शर्मा, कमल प्रजापति, प्रकाश केवट, सुरेश मालवीय सहित बड़ी संख्या में नगर के व्यापारी, जनप्रतिनिधि, पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिर्जा मुबारक बेग को सफल उमरा यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए सकुशल वापसी की कामना की।

अकोदिया के वार्ड क्रमांक 3 में सड़क, पानी और बिजली का संकट, मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रहे रहवासी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर के वार्ड क्रमांक 03 के रहवासियों ने सड़क, पेयजल, बिजली और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। वार्डवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर परिषद को शिकायतें दीं, लेकिन आज तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

रहवासियों के अनुसार उनके घरों तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं है। बरसात के मौसम में कच्चे रास्ते कीचड़ में तब्दील हो जाते हैं और जगह-जगह जलभराव होने से आवागमन बेहद कठिन हो जाता है। जलभराव के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना रहता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

वार्डवासियों ने बताया कि उन्हें नल-जल योजना का लाभ भी नहीं मिल रहा है। पानी का टैंकर घरों से काफी दूरी पर खड़ा किया जाता है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वहीं बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई परिवारों को दूर से तार खींचकर अस्थायी रूप से बिजली का उपयोग करना पड़ रहा है। वार्ड में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट नहीं होने से रात के समय अंधेरा छाया रहता है।

रहवासियों का कहना है कि वे नियमित रूप से भवन कर और बिजली बिल का भुगतान करते हैं। नगर परिषद द्वारा आवास योजना का लाभ मिलने के बावजूद आज तक सड़क, पानी, बिजली और स्ट्रीट लाइट जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं।

क्या बोले सीएमओ- इस संबंध में नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमल सिंह परमार ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। जल्द ही संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण किया जाएगा और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अकोदिया नगर को जिले के प्रमुख एवं सुंदर नगरों में गिना जाता है, लेकिन यदि किसी एक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना रहे तो यह पूरे नगर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। वार्ड क्रमांक 03 के रहवासियों की समस्याओं का समय पर समाधान होना आवश्यक है। सड़क, स्वच्छ पेयजल, बिजली, स्ट्रीट लाइट और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं प्रत्येक नागरिक का अधिकार हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गंदी नालियों से उठने वाली दुर्गंध के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है और कई बार उन्हें नाक पर रूमाल रखकर निकलना पड़ता है। नगर परिषद को चाहिए कि वह इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करे, ताकि वार्डवासियों को भी सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।

विकसित भारत - जी राम जी योजना पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत आगर-मालवा के सभागार में सोमवार को विकसित भारत- जी राम जी योजना पर एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर पीओ मनोज कुमार शर्मा, अकाउंट ऑफिसर तंवर लाल परमार एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी तीर्थराज कटरे ने योजना के संबंध में विस्तृत निर्देश, वित्तीय प्रबंधन, मस्टर संधारण तथा 15 दिवस में भुगतान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में जिले की चारों जनपद पंचायतों का तकनीकी एवं प्रशासनिक अमला उपस्थित था। गैर शासकीय संस्था डेवलपमेंट सपोर्ट सेंटर के सदस्य एवं अधिकारी भी प्रशिक्षण में शामिल हुए।

जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण, कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने सोमवार को जिला चिकित्सालय झाबुआ का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों, उपचार कक्षों एवं अस्पताल में संचालित सुविधाओं का अवलोकन करते हुए मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण की शुरुआत कलेक्टर ने सिकल सेल एवं एनीमिया से पीड़ित भर्ती मरीजों से मुलाकात कर की। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से उपचार, दवाइयों की उपलब्धता तथा अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि सिकल सेल एवं एनीमिया से पीड़ित मरीजों का उपचार पूरी संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ किया जाए तथा आवश्यक दवाइयों एवं जांचों की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। भर्ती वार्ड में अत्यधिक संख्या में विजिटर्स की मौजूदगी पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए विजिटर्स के प्रवेश का समय निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक भीड़ से मरीजों के उपचार एवं संक्रमण नियंत्रण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इसलिए निर्धारित समय पर ही परिजनों को मरीजों से मिलने की अनुमति दी जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने रसीद काउंटर, दवा वितरण काउंटर, आयुष्मान कार्ड सेंटर, ओपीडी, वृद्धजन वार्ड, कैंसर वार्ड, शासकीय आयुष विंग एवं पंचकर्म थेरेपी सेंटर तथा नेत्र वार्ड का भी निरीक्षण किया।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने सेंधवा में शिविर का आयोजन

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार की एडिप योजना के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बड़वानी तथा एलिम्को के संयुक्त तत्वावधान में सेंधवा में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को सुगम व आत्मनिर्भर बनाने हेतु सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग चिन्हांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में शाम 5 बजे तक कुल 476 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया, जिनमें से 63 आवेदकों के मेडिकल सर्टिफिकेट बनाए गए तथा एलिम्को की विशेषज्ञ टीम द्वारा 65 दिव्यांगजनों एवं 15 वृद्धजनों का सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन किया गया। शिविर में दस से अधिक लोगों को ऑन द स्पॉट कृत्रिम अंग(कैलिपर) भी बनाकर उपलब्ध कराये गए। इसके साथ ही शिविर में रोज़गार के अवसर प्रदान करते हुए फ्लिपकार्ट डकाचिया, टारस बीपीओ एवं फ्रेंड्स फूड इंदौर जैसी निजी कंपनियों में 8 बेरोजगार आवेदकों का चयन किया गया। वहीं, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा उपस्थित नागरिकों को शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस बहुउद्देशीय शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया, जिसके अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया जांच, यूडीआईडी कार्ड निर्माण, टीकाकरण एवं त्वरित उपचार संबंधी विशेष काउंटर आयोजित किए गए। शिविर का एक मुख्य आकर्षण दिव्यांगजन युवक-युवती परिचय सम्मेलन भी रहा, जिसने समाज में समावेशिता और दिव्यांगजनों के सुखी पारिवारिक जीवन की दिशा में एक सराहनीय पहल की। अगला शिविर 21 जुलाई को बलवाड़ी की जनपद पंचायत भवन में आयोजित किया जाएगा 21 जुलाई को पंचायत भवन बलवाड़ी में दिव्यांगजनों हेतु आयोजित शिविर में दिव्यांगजनों को अपने साथ दस्तावेज लाना होंगे। जिनमें दिव्यांगता प्रमाण पत्र 40 प्रतिशत या अधिक व यूडीआईडी प्रमाण पत्र, बीपीएल राशन कार्ड, आय प्रमाण पत्र जिसमें 22500 रुपये प्रतिमाह से कम आय हो, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट फोटो दिव्यांगता दर्शाता हुआ, मोटराईज्ड ट्राईसिकल हेतु 80 प्रतिशत या अधिक दिव्यांगता का प्रमाण पत्र, मोटराइज्ड ट्राई सिकल हेतु पिछले 05 वर्षों में किसी भी स्त्रोत से मोटराइज्ड ट्राई सिकल प्राप्त नही की हो। इसी प्रकार राष्टीय वयोश्री योजनान्तर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक की आयु के वृद्धजन को बीपीएल राशन कार्ड, समग्र आईडी, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पन्द्रह हजार प्रतिमाह से कम का आय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा।

नीमच पुलिस का नशे के खिलाफ जनजागरण अभियान तेज, मंडी से स्कूलों तक दिलाई नशामुक्ति की शपथ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0 के तहत नीमच जिले में नशे के विरुद्ध जनजागरण अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन में सोमवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं, विद्यार्थियों, किसानों और आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।

थाना बघाना क्षेत्र अंतर्गत कृषि उपज मंडी में उपनिरीक्षक आर.के. सिंघावत ने किसानों एवं आमजन को संबोधित करते हुए नशे से होने वाले सामाजिक, मानसिक और शारीरिक नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प भी कराया गया। इसी क्रम में सरवानिया महाराज चौकी क्षेत्र के ओसियन स्कूल, कैंट थाना क्षेत्र की सरदार पटेल आईएएस अकादमी, कुकड़ेश्वर के धनगर चौराहा, सिंगोली के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर और नीमच सिटी थाना क्षेत्र के विजडम स्कूल इंद्रानगर में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों और आमजन को नशे की लत के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रमों के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों की ओर बढ़ना चाहिए। साथ ही उपस्थित लोगों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करने की अपील की गई। नीमच पुलिस ने आमजन से आह्वान किया है कि वे नशे के खिलाफ इस जनआंदोलन का हिस्सा बनें और स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। पुलिस का मानना है कि जनसहयोग और सामाजिक सहभागिता से ही नशे के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ी जा सकती है।

पीएम स्वनिधि योजना से मिली नई पहचान, छोटे व्यवसायी राजेश राठौर बने आत्मनिर्भर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे एवं रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों के लिए आर्थिक संबल बनकर उभर रही है। इस योजना ने अनेक परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है राणापुर नगर परिषद क्षेत्र के हितग्राही श्री राजेश राठौर की, जिन्होंने योजना से प्राप्त ऋण के माध्यम से अपने छोटे व्यवसाय को सफलतापूर्वक विकसित कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया।

श्री राजेश राठौर को नगर परिषद राणापुर के माध्यम से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 10 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने फलों की दुकान लगाकर व्यवसाय प्रारंभ किया तथा साथ ही किराना सामग्री भी खरीदकर अपने कारोबार का विस्तार किया।

समय पर प्रथम ऋण का पूर्ण भुगतान करने पर उन्हें योजना के द्वितीय चरण में 20 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस अतिरिक्त पूंजी से उन्होंने अपने व्यवसाय को और मजबूत किया तथा ग्राहकों की मांग के अनुरूप अधिक सामान रखना शुरू किया।

द्वितीय ऋण का भी समय पर भुगतान करने के बाद उन्हें योजना के तृतीय चरण में 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस राशि का उपयोग उन्होंने व्यवसाय का और अधिक विस्तार करने, सामान की मात्रा बढ़ाने तथा आय में वृद्धि के लिए किया। आज उनके व्यवसाय से नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। श्री राजेश राठौर ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने उनके जीवन में नया विश्वास जगाया है।

45 साल भाजपा का राज, फिर भी पानी को तरस रहा मंदसौर, जनता से 30 दिन का टैक्स, बदले में 15 दिन भी पानी नहीं-राजनारायण लाड़

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता राजनारायण लाड़ ने नगर पालिका परिषद मंदसौर की पेयजल व्यवस्था को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 45 वर्षों से नगर पालिका परिषद पर भाजपा का कब्जा है, लेकिन आज भी मंदसौर की जनता नियमित और शुद्ध पेयजल के लिए तरस रही है। भाजपा ने हर चुनाव में रोजाना पानी देने के बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन वादों को भुला दिया।

श्री लाड़ ने कहा कि नगर पालिका प्रतिदिन जल प्रदाय के नाम पर प्रत्येक उपभोक्ता से प्रतिमाह लगभग 140 रुपये जलकर वसूल रही है, जबकि पूरे वर्ष नगरवासियों को एक दिन छोड़कर पानी दिया गया और अब दो दिन छोड़कर पानी देने की घोषणा की जा रही है। यह जनता के साथ खुला छल है। यदि नगर पालिका प्रतिदिन पानी देने में सक्षम नहीं है तो उसे पूरे महीने का जलकर वसूलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। जनता से 30 दिन का टैक्स लेकर 15 दिन भी पानी नहीं देना भाजपा की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कला भाटा बांध योजना, चंबल जल योजना सहित अनेक बड़ी-बड़ी योजनाओं का खूब प्रचार किया। करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन परिणाम आज भी शून्य है। आखिर इन योजनाओं का लाभ जनता को क्यों नहीं मिला? क्या ये योजनाएं भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की भेंट चढ़ गईं? भाजपा को इसका जवाब देना चाहिए। श्री लाड़ ने कहा कि नगर पालिका के जिम्मेदार हर साल केवल बारिश और बांध भरने का इंतजार करते हैं। यदि वर्षों पहले जल प्रबंधन, पाइपलाइन सुधार, रिसाव रोकने, नए जल स्त्रोत विकसित करने और पानी की चोरी पर प्रभावी कार्रवाई की गई होती तो आज यह स्थिति पैदा नहीं होती। यह भाजपा की अदूरदर्शिता और प्रशासनिक विफलता का परिणाम है। श्री लाड़ आरोप लगाया कि नगर के कई पार्षद स्वयं अवैध नल कनेक्शनों का मुद्दा उठा चुके हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन ने आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई नहीं होने से ईमानदारी से बिल भरने वाले उपभोक्ताओं पर ही बोझ बढ़ता जा रहा है। श्री लाड़ ने कहा कि भाजपा की नगर पालिका परिषद जनता से पूरा टैक्स वसूलने में तो पीछे नहीं रहती, लेकिन मूलभूत सुविधाएं देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। आज मंदसौर की माताओं-बहनों और आम नागरिकों को पानी के लिए रोज़ संघर्ष करना पड़ रहा है। यह स्थिति भाजपा के 45 वर्षों के कार्यकाल पर बड़ा प्रश्नचिह्न है।

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि मंदसौर की जनता भाजपा से जवाब मांगे कि आखिर 45 वर्षों के शासन के बाद भी शहर को नियमित पेयजल क्यों नहीं मिल पाया? चुनाव के समय किए गए वादों का हिसाब लिया जाए और जनता के साथ हुए इस अन्याय का लोकतांत्रिक जवाब आगामी नगर पालिका चुनाव में दिया जाए। श्री लाड़ ने मांग की कि जब तक नगर पालिका प्रतिदिन जल प्रदाय सुनिश्चित नहीं करती, तब तक जलकर की दरों में कमी की जाए और जितने दिन पानी की आपूर्ति की जा रही है, उसी अनुपात में जलकर वसूला जाए। साथ ही जल योजनाओं, अवैध नल कनेक्शनों और पेयजल व्यवस्था की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

थाना कोतवाली के अवैध मादक पदार्थ एमडी के प्रकरण में बाबू सिंधी गिरफ्तार, अब तक 7 गिरफ्तारी हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुये दिनांक 07-05-26 को थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये आरोपी इमरान पिता मीरगुल उर्फ बंटी पठान उम्र 25 साल निवासी ग्राम दावतखेडी मंदसौर के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 500 ग्राम एमडी व 500 अफीम जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया था एवं थाना शहर कोतवाली पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18,22,29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया जाकर अनुसंधान मे लिया गया था।

उक्त प्रकरण में आरोपी इमरान पठान से प्रारंभिक पूछताछ की जाकर आरोपी का 07 दिवस का पुलिस रिमांड पुलिस के द्वारा प्राप्त किया गया था। उक्त प्रकरण मे आरोपी इमरान से पूछताछ के दौरान घटना से संबधित अन्य आरोपीयों के बारे मे जानकारी दी थी। जानकारी अनुसार प्रकरण मे पुलिस के द्वारा पूर्व में अनेक आरोपियो की भूमिका के संबध में जानकारी देते हुये अपराध में उनकी संलिप्तता की जानकारी दी थी। जिस पर कोतवाली पुलिस द्वारा 05 अन्य आरोपीयों 01-महावीर पिता रामसिह चोहान जाति राजपूत उम्र 45 साल निवासी शनि विहार कोलोनी, 02-सादिक पिता शाकिर गढवी मुल्तानी उम्र 26 साल निवासी नरसिहपुरा मंदसोर, 03- सलमान पिता अनवर शाह उम्र 29 साल निवासी श्रृंगार गली 04- शाकिर उर्फ चेला पिता शब्बीर उर्फ बाबु खा मेवाती उम्र 61 साल निवासी मदारपुरा चांदनी चौक मंदसौर 05- असलम हुसैन पिता अख्तर हुसैन उम्र 43 साल नि खिलचीपुरा मंदसौर को पूर्व में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था, जो बाद न्यायालय द्वारा सभी गिरफ्तार आरोपियो को जेल भेजा गया। उक्त प्रकरण में मुख्य आरोपी से की गई पूछताछ के क्रम में कोतवाली पुलिस दवारा कार्यवाही करते हुये आरोपी परमानंद उर्फ बाबु सिंधी पिता ईश्वर सिंधी उम्र 53 साल निवासी कोलगर गली जनकुपुरा मंदसौर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजने बाबत माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया है। उक्त प्रकरण मे अन्य अनेक आरोपी है जिनकी भी गिरफ्तारी किया जाना शेष है,

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन, कोयला फाटक उज्जैन Ph: 0734-2535229
Website:http://nagarnigamujjain.org/E-mail:nn.ujjain@mpurban.gov.in

-: (Online)निविदा विज्ञप्ती :-

क्रमांक- .उ.वि. /761 — उज्जैन दिनांक :-17/07/2026

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र 'अ' (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र.शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है।

सिरियल क्रं. सिरियल क्रं. 01, 02, 03, 04, 05 आनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 14.08.2026 समय 17:30, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 14.08.2026 समय 17:30 रहेगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जावेगी।

क्रं.	निविदा विज्ञप्ति क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लगत	नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल	अर्नेस्टमनी रू.	टेण्डर फॉर्म का मुल्य	समय अवधि
1	2	3	4	5	6		7
1	E-Tendering No. 2026_UAD_521779_1	वार्ड क्रं. 04 अंतर्गत तिरूपति एक्सटेंशन कॉलोनी उज्जैन में सार्वजनिक उद्यान में मरम्मत एवं विकास कार्य।	22,66,398/-	UADD SOR	17000/-	5000/-	90 दिन
2	E-Tendering No. 2026_UAD_521708_1	वार्ड क्रं. 04 कस्तुरी बाग कॉलोनी पंचकोशी महादेव मंदिर उज्जैन में सार्वजनिक बगीचे में विकास एवं मरम्मत कार्य।	14,58,190/-	UADD SOR	10950/-	2000/-	60 दिन
3	E-Tendering 2026_UAD_522069_1	वार्ड क्रं. 17 प्रेम एवेन्यु कॉलोनी स्थित उद्यान में विकास कार्य।	16,52,997/-	02-08-2021 UADD ISSR SOR	12400/-	2000/-	60 दिन
4	E-Tendering No. 2026_UAD_522044_1	वार्ड क्रं. 42 अंतर्गत मंगल नगर उद्यान का उन्नयन/ मरम्मत कार्य।	11,18,405/-	UADD SOR & NON SOR	8390/-	2000/-	60 दिन
5	E-Tendering No. 2026_UAD_521839_1	वार्ड क्रं. 37 अंतर्गत धन्नालाल की चाल उद्यान, विष्णुपुरा उद्यान, जगजीवनराम उद्यान में विभिन्न विकास कार्य कराये जाने बाबत्।	17,47,770/-	UADD SOR & NON SOR	13110/-	2000/-	90 दिन

कार्यपालन यंत्री (उद्यान)
नगर पालिक निगम उज्जैन

कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र एवं ग्राम पंचायत का किया निरीक्षण, लापरवाही पर सचिव के निलंबन के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने सोमवार को उप स्वास्थ्य केंद्र रंगपुरा एवं ग्राम पंचायत देवझिरी पण्डा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप स्वास्थ्य केंद्र रंगपुरा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी से केंद्र पर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं तथा स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल की तीसरी सवारी और नागपंचमी एक साथ

7 साल बाद बनेगा दुर्लभ संयोग- 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल की नगरी उज्जैन इस बार सावन में एक ऐतिहासिक और दुर्लभ धार्मिक संयोग की साक्षी बनने जा रही है। आगामी 17 अगस्त को सावन का तीसरा सोमवार, नागपंचमी और भगवान महाकाल की शाही तीसरी सवारी एक ही दिन पड़ रही है। इसी दिन महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट भी वर्ष में सिर्फ एक बार श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले जाएंगे। तीनों बड़े धार्मिक आयोजन एक साथ होने से इस दिन उज्जैन में श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ने की संभावना है। मंदिर प्रशासन को 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

करीब सात साल बाद यह विशेष संयोग बन रहा है। इससे पहले वर्ष 2019 में सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी का योग एक साथ बना था। उस समय भी महाकाल की सवारी और नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे थे। इस बार भी रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

वर्ष में सिर्फ एक दिन खुलते हैं नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट- महाकालेश्वर मंदिर के सबसे ऊपरी शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट पूरे वर्ष बंद रहते हैं। केवल नागपंचमी के दिन इन्हें 24 घंटे के लिए श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोला जाता है। इस दौरान देश-विदेश से श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन करने पहुंचते हैं। इस बार उसी दिन महाकाल की तीसरी शाही सवारी भी निकलेगी, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य वर्षों की तुलना में कहीं अधिक रहने की उम्मीद है।

सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था होगी विशेष- महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन होने के कारण भीड़ प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती होगी। इसे देखते हुए जल्द ही पुलिस, जिला प्रशासन और मंदिर समिति के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, दर्शन व्यवस्था, प्रवेश और निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात और आपातकालीन व्यवस्थाओं का विस्तृत खाका तैयार किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा का विशेष महत्व- नागचंद्रेश्वर मंदिर में स्थापित प्रतिमा लगभग 11वीं शताब्दी की मानी जाती है। इस दुर्लभ प्रतिमा में फन फैलाए नाग के ऊपर भगवान शिव और माता पार्वती विराजमान हैं। देशभर में इस स्वरूप की प्रतिमा अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है। यही कारण है कि वर्षभर बंद रहने वाले इस मंदिर के दर्शन के लिए श्रद्धालु नागपंचमी का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

श्रद्धा, आस्था और उत्सव का होगा संगम- 17 अगस्त को महाकाल की शाही सवारी, नागपंचमी और नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन एक साथ होने से उज्जैन में धार्मिक आस्था का अनूठा वातावरण देखने को मिलेगा। मंदिर परिसर से लेकर सवारी मार्ग तक लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी रहेगी। प्रशासन का फोकस इस बार सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम दर्शन कराने पर रहेगा।

7 साल बाद फिर बना दुर्लभ संयोग-

17 अगस्त 2026 - सावन का तीसरा सोमवार, नागपंचमी और भगवान महाकाल की तीसरी शाही सवारी एक ही दिन

21 अगस्त 2023 - अधिकमास के कारण सावन के सातवें सोमवार के साथ नागपंचमी का संयोग

5 अगस्त 2019 - सावन का तीसरा सोमवार और नागपंचमी एक साथ पड़े थे

पत्नी और सास पर पिस्टल से फायर करने वाला पकड़ाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्नी और सास पर गोली चलाने वाले दामाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। उससे पिस्टल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। झारड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम गोगाखेड़ी में रहने वाली सीमा खारोल का कुछ साल पहले गुजरात के बलसाड़ स्थित वेस्ट रेलवे यार्ड में रहने वाले धर्मेन्द्र पिता धारासिंह गेहलोत से विवाह हुआ था। शादी के बाद दोनों के बीच पारिवारिक विवाद होने लगा। 4 साल पहले पत्नी सीमा मायके आ गई और पति के खिलाफ तलाक का केस दायर कर दिया। शनिवार को धर्मेन्द्र गोगाखेड़ी आया और पत्नी पर साथ चलने का दबाव बनाने लगा। पत्नी ने मना किया तो पिस्टल तान दी। सीमा से विवाद होता देख मां बसंताबाई बीच-बचाव करने आई तो दामाद धर्मेन्द्र ने उल्टी पिस्टल से सिर पर हमला किया। धर्मेन्द्र को विवाद करता देख दोनों मां-बेटी ने उसे घर में धक्का देकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। धर्मेन्द्र ने खिड़की में से पत्नी और सास पर 2 फायर किये। दोनों बच गई उन्होंने पुलिस को सूचना देने का प्रयास किया तो धर्मेन्द्र खिड़की से कूदकर बाहर निकला। गोली चलाने की खबर मिलने पर पुलिस गोगाखेड़ी पहुंची और धर्मेन्द्र की तलाश शुरू की। उसके खिलाफ जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज किया गया। थाना प्रभारी सुरेन्द्र गरवाल ने बताया कि आरोपी की तलाश में एसआई दिग्विजयसिंह आंजना, एएसआई बीपीसिंह परिहार, आरक्षक नारायणसिंह कुशवाह, शुभकरणसिंह भदौरिया, मोहरसिंह, अनारसिंह की टीम गठित की गई। पता चला कि पत्नी और सास पर जानलेवा हमले का प्रयास करने वाला गांव से भागने की फिराक में रावतखेड़ी फंटा (तारोट रोड) के पास खड़ा होकर वाहन का इंतजार कर रहा है। पुलिस की टीम तत्काल घेराबंदी के लिये पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी को रविवार दोपहर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। उससे पिस्टल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

किसान 31 जुलाई तक कराएं ''प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना'' अंतर्गत बीमा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम की अनिश्चितताओं, प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम से होने वाली संभावित फसल क्षति से आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करने के लिए किसान समय रहते प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री यू.एस. तोमर ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ - 2026 सीजन के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। ऐसे में सभी कृषकों से अपील की गई है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं। किसान क्रेडिट कार्डधारी कृषकों से अनुरोध है कि वे जिस बैंक से उनका किसान क्रेडिट कार्ड बना है, वहां जाकर फसल बुवाई प्रमाण-पत्र एवं पटवारी हल्के की जानकारी अद्यतन कराएं।

सूने मकान का बदमाशों ने ताला तोड़ चुराये आभूषण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चोरों की मौजूदगी लगातार सामने आ रही है। इस बार चोरों ने चिमनगंज थाना क्षेत्र की कॉलोनी के सूने मकान पर धावा बोला और लाखों के आभूषण चोरी कर लिये। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि कनीपुरा मार्ग श्री कृष्ण विहार कॉलोनी में रहने वाला परिवार रिश्तेदार के यहां गया हुआ था। वापस लौटने पर मकान का ताला टूटा मिला। बदमाशों ने सोने चांदी के आभूषण और नगद रूपयो पर हाथ साफ कर दिया था। चोरी की वारदात होने पर ईश्वर नगर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। चिमनगंज थाना पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। शहर में पिछले कुछ दिनों से चोरों की मौजूदगी बनी हुई है। कुछ दिन पहले माधव नगर थाना क्षेत्र में दो दुकानों का ताला तोड़कर बदमाश करोड़ के मोबाइल चुरा कर ले गए थे। एक दिन बाद ही बदमाशों ने नानाखेड़ा और नीलगंगा थाना क्षेत्र में घर और होटल के बाहर खड़ी लाखों कीमत की दो कार चोरी कर ली थी, यही नहीं बदमाश दशहरा मैदान क्षेत्र की मार्केटिंग एजेंसी से लाखों की सिगरेट चुरा कर ले गए थे। पुलिस को अब तक बदमाशों का सुराग नहीं मिल पाया है। वर्तमान में पिछले एक माह के दौरान हुई चोरी की वारदात से पहले भी नानाखेड़ा और नील गंगा थाना क्षेत्र चोरी की बड़ी वारदातें हो चुकी है जिनका अब तक सुराग नहीं मिल पाया है। शहर में बाहर से आकर बदमाश चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

श्रावण में महाकाल आने वाले कांवड़ियों को मिलेगा मुफ्त भोजन

इंदौर रोड पर बनेगा अस्थायी अन्नक्षेत्र- महाकाल मंदिर समिति की तैयारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास में भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने देशभर से उज्जैन पहुंचने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए इस बार भी महाकाल मंदिर प्रबंध समिति विशेष व्यवस्था करेगी। यात्रियों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने के लिए इंदौर रोड क्षेत्र में अस्थायी अन्नक्षेत्र संचालित किया जाएगा। वहीं श्रावण और भादपद मास के प्रत्येक सोमवार को महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को परंपरा के अनुसार फलाहारी महाप्रसादी भी परोसी जाएगी।

महाकाल मंदिर समिति वर्षों से महाकाल महालोक के सामने स्थित अन्नक्षेत्र में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी कराती है। सामान्य दिनों में यहां करीब 10 हजार भक्त भोजन ग्रहण करते हैं। श्रावण मास में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, इसलिए अतिरिक्त व्यवस्था की जाती है। दो साल पहले शुरू की गई कांवड़ यात्रियों के लिए अलग भोजन व्यवस्था इस बार भी जारी रहेगी।

सिंहस्थ कार्यों के कारण नई जगह की तलाश- इस बार इंदौर रोड पर सिंहस्थ-2028 से जुड़े निर्माण कार्य चल रहे हैं। ऐसे में प्रशासन और मंदिर समिति अस्थायी अन्नक्षेत्र के लिए उपयुक्त स्थान तलाश रहे हैं, ताकि कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्थान तय होते ही वहां भोजन वितरण की व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी।

हर सोमवार मिलेगा विशेष फलाहार- श्रावण और भाद्रपद के प्रत्येक सोमवार को मंदिर समिति श्रद्धालुओं के लिए विशेष फलाहारी महाप्रसादी तैयार कराएगी। इसमें साबूदाने की केसरिया खीर, शुद्ध देशी घी से बना राजगिरे का हलवा, ड्रायफ्रूट खिचड़ी, मालवी स्वाद वाली आमठी, आलू चिप्स और राजगिरा की पूरी जैसे व्यंजन शामिल रहेंगे। श्रद्धालु दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक महाप्रसादी ग्रहण कर सकेंगे।

अधिकारी ने कहा- महाकाल मंदिर की उप प्रशासक एवं डिप्टी कलेक्टर सिम्मी यादव ने बताया कि श्रावण मास में भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने आने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए इंदौर रोड क्षेत्र में निश्शुल्क भोजन की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही प्रत्येक सोमवार को भक्तों के लिए अन्नक्षेत्र में फलाहारी महाप्रसादी भी उपलब्ध रहेगी। सिंहस्थ निर्माण कार्य को देखते हुए अन्नक्षेत्र के लिए उपयुक्त स्थान का चयन किया जा रहा है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, वृद्ध महिला की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम चंदेश्री और तपोभूमि के बीच कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बहन का पुत्र निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां कुछ घंटे चले उपचार के बाद रात 12:30 बजे मौत हो गई।

नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम मुंजा खेड़ी में रहने वाली कृष्णाबाई पति रमेश चंद्र गहलोत 58 वर्ष बहन के पुत्र संजय के साथ बाइक से ग्राम जमालपुरा जा रही थी। ग्राम चंदेश्री और तपोभूमि के बीच से गुजरते समय तेज गति से आई कार ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में कृष्णाबाई गंभीर घायल हो गई बहन का पुत्र संजय मामूली रूप से घायल हुआ दोनों को उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया जहां कृष्णा बाई को सर में अधिक चोट होने पर गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया। कुछ घंटे बाद रात 12:30 बजे घायल वृद्ध महिला की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज कर मर्ग कायम किया सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद चालक कार लेकर मौके से भाग निकला था जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

नगर निगम में 57 कर्मचारियों का प्रमोशन, 8 एल्डरमैन की नियुक्ति

आयुक्त ने जारी किए प्रमोशन आदेश, शासन ने लंबे इंतजार के बाद नामित पार्षदों की सूची भी की जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन नगर निगम में एक ओर निगम के 57 कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई वहीं दूसरी ओर लंबे इंतजार के बाद शासन ने नगर निगम के लिए 8 एल्डरमैन (नामित पार्षद) नियुक्त कर दिए हैं।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने रविवार देर रात 57 कर्मचारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश शासन एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशों के अनुरूप की गई है। निगम प्रशासन का कहना है कि इससे कर्मचारियों को उनकी योग्यता के अनुरूप जिम्मेदारियां मिलेंगी और विभागीय कामकाज में गति आएगी। जारी आदेश के अनुसार 34 सहायक वर्ग-3 कर्मचारियों को सहायक वर्ग-2 बनाया गया है। 11 सहायक राजस्व निरीक्षकों को उप राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा 8 भृत्यों को सहायक वर्ग-3, दो सहायक लेखापालों को लेखापाल तथा दो टाइमकीपरों को उपयंत्री के पद पर पदोन्नति दी गई है।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने कहा कि पात्र कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति देना शासन की प्राथमिकता है। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक जिम्मेदारी तथा बेहतर कार्यक्षमता के साथ नागरिकों को सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि पदोन्नति केवल पद परिवर्तन नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों का विस्तार भी है।

नगर निगम प्रशासन का मानना है कि पदोन्नत कर्मचारियों की नई जिम्मेदारियों से स्वच्छता व्यवस्था, राजस्व वसूली, निर्माण कार्य, तकनीकी शाखा और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभागों की कार्यक्षमता में सुधार होगा। सिंहस्थ-2028 जैसे विशाल आयोजन की तैयारियों में भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।

लंबे इंतजार के बाद 8 एल्डरमैन की नियुक्ति- नगर निगम की राजनीति और प्रशासन में लंबे समय से चर्चा का विषय बनी एल्डरमैन नियुक्ति पर भी आखिरकार मुहर लग गई है। मध्य प्रदेश शासन ने नगर निगम के लिए 8 नामित पार्षद (एल्डरमैन) नियुक्त किए हैं। इन नियुक्तियों को नगर निगम परिषद में अनुभव और सामाजिक सहभागिता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार मुकेश मालवीय, अशोक देवड़ा, मनीष खंडेलवाल, अरविंद उपाध्याय, मुकेश चौधरी, धर्मेंद्र बरुआ, शैलेंद्र यादव और मधुकर राव को एल्डरमैन बनाया गया है।

घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य टीम, बच्चों को मिलेगी विशेष स्वास्थ्य सुरक्षा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाल्यकालीन बीमारियों की समय पर पहचान, उपचार एवं आवश्यकतानुसार रेफरल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा 14 जुलाई से 31 अगस्त तक प्रदेशभर में स्टॉप डायरिया कैम्पेन सह दस्तक अभियान का प्रथम चरण संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीमें घर-घर जाकर जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि अभियान इस वर्ष डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान थीम पर आधारित है। अभियान के दौरान जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों में गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, डायरिया, निर्जलीकरण एवं अन्य संक्रमणों की पहचान कर त्वरित उपचार और आवश्यकता अनुसार रेफरल किया जाएगा। साथ ही पात्र बच्चों को विटामिन-ए की खुराक, ओआरएस के पैकेट तथा जिंक टेबलेट वितरित किए जाएंगे।

नशे से दूरी है ज़रूरी का संदेश लेकर सैकड़ों छात्राएं निकाली

विशेष पुलिस महानिदेशक, एसपी और नगर निगम सभापति ने दिखाई हरी झंडी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के तहत सोमवार सुबह पुलिस कंट्रोल रूम से विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देना था।

रैली में विशेष पुलिस महानिदेशक (ईओडब्ल्यू) उपेंद्र जैन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, नगर निगम सभापति कलावती यादव सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और लोगों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

रैली में शहर के विभिन्न विद्यालयों की सैकड़ों छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं के हाथों में नशे से दूरी है ज़रूरी, नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, स्वस्थ युवा, सुरक्षित भविष्य जैसे संदेश लिखी तख्तियां थीं। रैली पुलिस कंट्रोल रूम से शुरू होकर फ्रीगंज क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां छात्राओं ने नारों के माध्यम से लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया।

रैली के दौरान अधिकारियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को नशे की लत से बचाने और उन्हें सही दिशा देने के लिए ऐसे जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। पूरे मार्ग में रैली को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी। छात्राओं के उत्साह और नशामुक्त समाज के संदेश ने राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के तहत जिले में आगे भी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाया जा सके।

मोबाइल हैक होने पर खाते से निकले 46 हजार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले शातिर बदमाशों द्वारा बिना ओटीपी और पासवर्ड पूछे खातों से रुपए रुपए उड़ाए जा रहे हैं। अब सांची पॉइंट चलने वाले युवक के साथ धोखाधड़ी सामने आई है।

ढांचा भवन सांदीपनी नगर में रहने वाला वीरेंद्र पिता भगवान सिंह ठाकुर सांची पॉइंट चलता है। रविवार को वह अपनी दुकान पर था इस दौरान उसका मोबाइल हैक हो गया। उसने चालू करने का काफी प्रयास किया लेकिन मोबाइल ऑफ हो चुका था। वाहन क्षेत्र में ही मोबाइल सुधारने वाले के यहां पहुंचा। इस दौरान मोबाइल चालू हुआ लेकिन मैसेज मिला कि खाते से 46,000 निकले हैं। बिना ओटीपी और पासवर्ड पूछे हुई ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत वीरेंद्र ने चिमनगंज थाने पहुंचकर की पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। एक मामला माधव नगर थाना पुलिस ने भी फ्रीगंज में रहने वाले राजेंद्र कुमार पिता विनोद कुमार दुबे के साथ 1 जुलाई को हुई धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। राजेंद्र कुमार दुबे ने उनके साथ हुई 99 हजार से अधिक की ऑनलाइन धोखाधड़ी शिकायत साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराई थी। राजेंद्र कुमार ने शिकायत में बताया कि उनके पास मोबाइल पर कॉल आया था और बताया गया कि उनकी बहन की नॉमिनी समाप्त हो चुकी है जिसे पुनः रिन्यू करना है। कॉल करने वाले ने जानकारी मांगी और उसके बाद खाते से रुपए निकाल लिए। ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले बदमाशों द्वारा आए दिन लोगों को अपने झांसे में फंसाकर उनके हाथों से ट्रांजेक्शन किया जा रहा है।

एनडीआरएफ ने स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम में छात्रों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 11वीं बटालियन की एक उप-टीम द्वारा सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधवगंज में एक दिवसीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम (एसएसपी) आयोजित किया गया। निरीक्षक/जीडी श्रीनिवास मीना के नेतृत्व में सात सदस्यीय बचाव दल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को विभिन्न आपदाओं से बचाव एवं आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली जीवनरक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना और संकट की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना था।

पवन चक्की के पोल को लेकर खूनी विवाद, फावड़ा-दरांती से हमला

दो महिलाएं घायल, एक की हालत गंभीर होने पर उज्जैन रेफर-वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर थाना क्षेत्र के ग्राम अमला में पवन चक्की के लिए सपोर्टिंग वायर का पोल लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। पड़ोसियों पर एक परिवार पर फावड़े और दरांती से हमला करने का आरोप है। हमले में दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनमें से एक को प्राथमिक उपचार के बाद उज्जैन जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है।पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम अमला निवासी भैरूलाल भील अपनी पत्नी तेजुबाई और बहू रेखाबाई के साथ खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान खेत में पवन चक्की के खंभे के लिए सपोर्टिंग वायर का पोल लगाया जा रहा था। तभी पड़ोसी शंकरलाल यादव और हरिओम यादव वहां पहुंचे और पोल लगाने का विरोध करने लगे। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और विवाद हिंसक हो गया।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की। विरोध करने पर शंकरलाल यादव ने फावड़े से रेखाबाई पर हमला कर दिया, जबकि हरिओम यादव ने दरांती से तेजुबाई पर कई वार किए। हमले में तेजुबाई की आंख के पास, हाथ और छाती पर गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे भैरूलाल के साथ भी मारपीट की गई। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। घायल महिलाओं को पहले बड़नगर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तेजुबाई की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उज्जैन के चरक भवन स्थित जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और वायरल वीडियो सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

जागरूकता रैली नशे से दूरी है जरूरी 2.0 में 1200 विद्यार्थी हुए शामिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पूरे प्रदेश में नशा मुक्ति के लिए नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान चलाया जा रहा है। उज्जैन में सोमवार सुबह जन जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें 1200 से अधिक विद्यार्थियों के साथ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

रैली का शुभारंभ पुलिस कंट्रोल रूम परिसर से हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1200 से अधिक छात्र-छात्राओं, पुलिस विभाग, नगर निगम तथा अन्य शासकीय विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।प्रतिभागियों ने हाथों में जन-जागरूकता संबंधी तख्तियां, बैनर एवं संदेश-पटिकाएं लेकर नशे से दूरी है जरूरी, स्वस्थ युवा ड्रग सशक्त भारत, नशा छोड़ो, भविष्य जोड़ो, नशा मुक्त युवा, सुरक्षित समाज जैसे प्रेरणादायी नारों के माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर निगम सभापति कलावती यादव, महापौर मुकेश टटवाल, विधायक अनिल कालूहेड़ा, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक उज्जैन सहित जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण, नगर निगम के अधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नशे के विरुद्ध जनजागरूकता एवं सामूहिक सहभागिता ही समाज को इस गंभीर सामाजिक बुराई से मुक्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों में सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। जन-जागरूकता रैली पुलिस कंट्रोल रूम से प्रारंभ होकर घास मंडी चौराहा, टॉवर चौक, तीन बत्ती चौराहा, ऑफिसर्स कॉलोनी एवं एलआईसी तिराहा होते हुए पुनः पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर सम्पन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों द्वारा नशे के दुष्प्रभावों से संबंधित संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया तथा मार्ग में उपस्थित नागरिकों से नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने तथा युवाओं को इस बुराई से बचाने का आह्वान किया गया। कई स्थानों पर नागरिकों ने रैली का स्वागत करते हुए अभियान के प्रति अपना समर्थन भी व्यक्त किया। रैली के समापन अवसर पर उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। सभी प्रतिभागियों ने स्वयं नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा मादक पदार्थों के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम ने अभियान को और अधिक प्रभावी एवं प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया।

एमएसएमई विभाग की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से युवाओं को मिलेगा लोन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बिना किसी कोलेटरल (बैंक गारंटी) के बैंक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के बजाय स्वरोजगार की ओर प्रेरित करना तथा नए उद्यमों की स्थापना को बढ़ावा देना है।

योजना के अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र के लिए 50 हजार से 50 लाख तक तथा सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र के लिए 50 हजार से 25 लाख तक का बैंक ऋण दिया जाता है। इसके साथ ही स्वीकृत ऋण पर अधिकतम 7 वर्षों तक 3 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अनुदान एवं गारंटी फीस का भुगतान भी राज्य शासन द्वारा किया जाता है।

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना, आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना, न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना तथा परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं होना आवश्यक है।